सांध्य दैनिक

4PM

दूसरों की गलतियों से सीखो। तुम कभी इतना लम्बा नहीं जी सकते की सारी गलतियां खुद करो।
- ग्रुशो मार्क्स

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 293 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 4 दिसम्बर, 2023

अश्विनी-तनीषा का सुनहरा... 7 | राजस्थान में गुर्जरों ने कांग्रेस को... 3 | लोस में फिर उठाएंगे जातिगत जनगणना... 2

सत्र के पहले दिन हंगामा, टीएमसी और कांग्रेस का स्थगन प्रस्ताव

- संसद का शीतकालीन सत्र शुरू
- सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार
- एनडीए के सांसदों ने पीएम का किया स्वागत
- भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों को मौत की सजा पर चर्चा की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बीच आज शीत सत्र का पहला दिन शुरू हुआ। सत्र शुरू होते ही हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही को 12 बजे तक स्थगित किया गया। इस मौके पर कई अहम मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। कांग्रेस ने कई मुद्दों पर स्थगन प्रस्ताव लाया।

गौरतलब है, मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिल गया है। बीएसपी सांसद दानिश अली ने भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर संसद परिसर में प्रदर्शन किया। सत्र के शुरू होते ही एनडीए के सांसदों ने पीएम मोदी का तालियां बजाकर जोरदार स्वागत किया। इसके अलावा, मोदी की मौजूदगी में लोकसभा में तीसरी बार मोदी सरकार, और बार-बार मोदी सरकार के नारे लगाए।

देश ने नकारात्मकता को नकारा : मोदी

पीएम मोदी ने कहा, अगर मैं वर्तमान चुनाव नतीजों के आधार पर कहूं, तो ये विपक्ष में बैठे हुए साथियों के लिए सुनहरा अवसर है। इस सत्र में पराजय का गुस्सा निकालने की योजना बनाने के बजाय, इस पराजय से सीखकर, पिछले नौ साल में चलाई गई नकारात्मकता की प्रवृत्ति को छोड़कर इस सत्र में अगर सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ेंगे तो देश उनकी तरफ देखने का दृष्टिकोण बदलेगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, देश ने नकारात्मकता को नकारा है। मैं लगातार सत्र के प्रारंभ में विपक्षियों के साथ विचार विमर्श करता हूं। लोकतंत्र का यह मंदिर जन आकांक्षाओं के लिए, विकसित भारत की नींव को और अधिक मजबूत बनाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण मंच हैं। मैं सभी सांसदों से आग्रह करता हूं कि वो ज्यादा से ज्यादा तैयारी करके आएं। सदन में जो बिल रखे जाए उनपर गहन चर्चा हो। उत्तम से उत्तम सुझाव आएं क्योंकि जब कोई सांसद सुझाव रखता है तो जमीनी हकीकत से जुड़ा होता है। संसद के शीतकालीन सत्र के शुरू होने से पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि सर्दी बहुत धीमी गति से आ रही है, लेकिन राजनैतिक गर्मी बड़ी तेज से बढ़ रही है। कल ही चार राज्यों के चुनाव के नतीजे सामने आए हैं। परिणाम बहुत ही उत्साहजनक हैं। खासकर उन लोगों के लिए उत्साहजनक हैं, जो देश के आम लोगों के कल्याण और देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ये बीजेपी नहीं मोदी की जीत : अधीर रंजन

तीन राज्यों में हार के बाद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि ये बीजेपी की जीत नहीं बल्कि मोदी की जीत है। कुछ दिन पहले कर्नाटक और हिमाचल मे हम जीते थे तब पीएम कहां थे? उन्होंने कहा कि वोट पीएम बनाम बघेल और पीएम बनाम गहलोत हुआ है।

मोदी का कोई जादू नहीं, विपक्षी दलों के बीच एकता नहीं होने से जीती भाजपा : करीम

तीन राज्यों के चुनावों में भाजपा की जीत पर सीपीआईएम सांसद इलामारम करीम कहते हैं, मुझे नहीं लगता कि यह मोदी का जादू है। यह धर्मनिरपेक्ष विपक्षी दलों के बीच एकता नहीं होने का कारण है। यह कांग्रेस के लिए एक सबक है जो विपक्षी एकता का नेता है।

खरगे के कार्यालय में सर्वदलीय बैठक

संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले आज राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यालय में सर्वदलीय बैठक चल रही।

मिजोरम में नई पार्टी जेडपीएम को प्रचंड बहुमत

- अबतक 40 में से 25 सीटें जीत चुकी है पार्टी
- सीएम-मंत्रियों को मिली हार, बीजेपी के खाते में भी दो सीटें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आइजोल। पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम में 1984 से कभी कांग्रेस तो कभी मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) सरकारें रही हैं। इस बार राज्य पूर्व आईपीएस लालदुहोमा की नेतृत्व में बनी नई राजनीतिक पार्टी जोरम पिपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) बहुमत में आई है। वहीं, एमएनएफ के जोरामथांगा अपनी सरकार को बचाने में नाकामयाब रहे। आइजोल पूर्व 1 की सीट से मुख्यमंत्री जोरामथांगा हारे।

अभी तक 13 सीटों पर नतीजे सामने आ चुके हैं। जेडपीएम ने11 सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। वहीं अन्य दो सीटें अलग अलग पार्टी के पाले में गई हैं। चुनाव आयोग के मुताबकि, जेडपीएम को 25 सीटों पर जीत मिल चुकी है, जबकि दो सीटों पर वह आगे चल रही है। एमएनएफ को सात सीटों पर जीत मिली है, जबकि वह 3 तीनों पर लीड कर रही है। बीजेपी को अभी तक दो सीटों पर जीत मिली है। कांग्रेस अभी एक सीट पर लीड कर रही है। मतगणना में यहां 174 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला होगा।

कौन कितनी सीटों पर आगे

1.	जेडपीएम	27
2.	एमएनएफ	09
3.	भाजपा	03
4.	कांग्रेस	01

जेडपीएम कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाना शुरू किया

जेडपीएम के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने राज्य चुनाव में पार्टी के जरिए आरामदायक बढ़त दर्ज करने के बाद सेरछिप में जश्न मनाना शुरू कर दिया।

वित्तीय सुधार आवश्यक : जेडपीएम अध्यक्ष

जेडपीएम के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार लालदुहोमा ने कहा, मिजोरम वित्तीय संकट का सामना कर रहा है। निवर्तमान सरकार से हमें यही विरासत मिलने वाली है। हम अपनी प्रतिबद्धता पूरी करने जा रहे हैं। वित्तीय सुधार आवश्यक है और उसके लिए हम एक संसाधन जुटाने वाली टीम बनाने जा रहे हैं। जोरम पीपुल्स मूवमेंट के उपाध्यक्ष डॉ. केनेथ चावंगलियाना ने कहा, फिलहाल हम 20 से ज्यादा सीटों पर आगे चल रहे हैं। मुझे लगता है कि हम पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएंगे।

मिजोरम के स्वास्थ्य मंत्री हारे

चुनाव आयोग के अनुसार, मिजोरम के स्वास्थ्य मंत्री और एमएनएफ उम्मीदवार आर लालथंगलियाना दक्षिण तुईपुई सीट पर जेडपीएम के जेजे लालपेखलुआ से हार गए हैं। लालपेखलुआ को 5,468 वोट मिले जबकि मिजो नेशनल फंट के उम्मीदवार आर लालथंगलियाना को 5,333 वोट मिले।

नतीजे संदेह करने वाले : मायावती

» बोलीं- पूरा चुनाव संघर्ष वाला रहा, अंतिम परिणाम कैसे ऐसे आये

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने कहा कि मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम लोगों के गले से नीचे उतर पाना बहुत मुश्किल हैं और ऐसे रहस्यात्मकमामले पर गंभीर चिंतन और उसके समाधान की जरूरत है। मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर डाले गए सिलसिलेवार संदेशों में विस्तार से अपनी बात कही।

बसपा अध्यक्ष ने एक अन्य पोस्ट में कहा, पूरे चुनाव के दौरान माहौल एकदम अलग, कांटे के संघर्ष वाला और दिलचस्प था मगर चुनाव परिणाम उससे बिल्कुल अलग होकर पूरी तरह से एकतरफा हो जाना, यह ऐसा रहस्यात्मक मामला है जिस पर गंभीर चिंतन व उसका समाधान जरूरी है। लोगों की नब्ज पहचानने में भयंकर भूल-चूक चुनावी चर्चा का नया विषय है। मायावती ने अगले पोस्ट में कहा, बसपा के सभी लोगों ने पूरे तन मन धन व दमदारी के साथ यह चुनाव लड़ा। उन्हें ऐसे अजूबे परिणाम से निराश कतई नहीं होना है बल्कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के जीवन संघर्षों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने का प्रयास करते रहना है। चुनाव परिणाम के संदर्भ में जमीनी रिपोर्ट लेकर आगामी लोकसभा चुनाव की नए सिरे से तैयारी के लिए आगामी 10 दिसंबर को लखनऊ में पार्टी की अखिल भारतीय बैठक बुलाई है। उन्होंने कहा कि देश के 4 राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम एक पार्टी के पक्ष में एकतरफा होने से लोगों का अचंभित और चिंतित होना स्वाभाविक है। चुनाव के पूरे माहौल को देखते हुए ऐसा विचित्र परिणाम लोगों के गले के नीचे उतर पाना बहुत मुश्किल है। चुनाव परिणाम से विचलित हुए बिना आंबेडकरवादी आंदोलन आगे बढ़ाने की हिम्मत कभी भी नहीं हारेगा।

10 दिसंबर को करेंगी बैठक

गठबंधन में आई एक सीट, लेकिन वोट प्रतिशत भी हुआ कम

राजस्थान में वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में बसपा ने 4.08 प्रतिशत वोट हासिल करते हुए छह सीटें जीती थी। हालिया चुनाव में उसे 1.82 प्रतिशत वोट के साथ महज दो सीटें ही मिली हैं। सादुलपुर से पार्टी प्रत्याशी मनोज कुमार और बारी सीट से जसवंत सिंह गुर्जर ने जीत हासिल की है। मध्य प्रदेश में पिछले विधानसभा चुनाव में बसपा ने 5.01 प्रतिशत वोट हासिल करते हुए दो सीटों पर जीत का परचम लहराया था। इस बार मध्य प्रदेश में उसे 3.35 प्रतिशत वोट ही मिले सके और कोई भी सीट उसके हिस्से में नहीं आई। छत्तीसगढ़ चुनाव में उसे 2.07 प्रतिशत वोट मिले हैं और गठबंधन में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के तुलेश्वर हीरा सिंह की जीत के रूप में एक सीट मिली है। पिछली बार यहां उसे दो सीटें हासिल हुई थी। तेलंगाना में बसपा को 1.38 प्रतिशत हासिल हुआ, जो कोई सीट जिताने में कारगर साबित नहीं हो सका।

संक्षिप्त खबरें

लोगों की बेहतरी के लिए काम करना जारी रखूंगा : केसीआर

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की हार के मद्देनजर राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन को मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा भेज दिया है। इसके लिए वह खुद राजभवन नहीं गए। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने रविवार को कहा कि नतीजे वैसे नहीं रहे जैसे उनकी पार्टी चाहती थी, लेकिन बीआरएस लगातार दो बार सेवा करने का मौका देने के लिए लोगों की आभारी है। रामा राव ने पत्रकारों से कहा, लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत हमारे मुख्यमंत्री ने पहले ही राज्यपाल को अपना इस्तीफा भेज दिया है। मुझे लगता है कि उचित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केसीआर के नेतृत्व में बीआरएस तेलंगाना के लोगों की बेहतरी के लिए काम करना जारी रखेगी।

राहुल की मोहब्बत की दुकान का माल नहीं बिका : केशव

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने तीन राज्यों के चुनावी नतीजों को लेकर विपक्ष तंज कसा है। इंटरनेट मीडिया एक्स पर किए गए पोस्ट में केशव मौर्य ने लिखा कि देश में एक ही गारंटी चलती है, मोदी ने की गारंटी।केशव प्रसाद मौर्य ने लिखा कि राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान का माल मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में नहीं बिका। इस कारण राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान के उत्तर प्रदेश में फुटकर व्यापारी सपा बहादुर अखिलेश यादव सन्न। उपमुख्यमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा कि जिनके मुंह में राम बगल में छुरी, जनता ने बनाई उनसे दूरी। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने तीन राज्यों में भाजपा की जीत की सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए परिणाम को लोकसभा चुनाव का जनादेश बताया है। ब्रजेश पाठक ने कहा है कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गरीब कल्याण योजनाओं और जनता जनार्दन के उन पर अटूट भरोसे को समर्पित है। तीन राज्य में मिली प्रचंड जीत आगामी लोकसभा चुनाव का जनादेश है।

केंद्र में फिर बनेगी एनडीए की सरकार : महेंद्र पांडेय

लखनऊ। केंद्रीय मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय ने मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में भाजपा की बड़ी जीत और तेलंगाना में बेहतर प्रदर्शन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व, गृह मंत्री अमित शाह की चुनावी रणनीति और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के सांगठनिक कौशल की जीत बताया है। महेंद्र पांडेय ने कहा कि चुनाव परिणामों से साफ संकेत मिलता है कि भारत के मन में मोदी है, मोदी के मन में भारत है और इसका सीधा असर 2024 के आम चुनावों में दिखेगा। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक बार फिर से केंद्र में एनडीए की सरकार बनेगी। जनता ने साफ बता दिया है कि देश में एक ही गारंटी चलती है मोदी की गारंटी।

राजस्थान, छत्तीसगढ़ में तो नहीं थी लाडली बहना : विजयवर्गीय

» बोले- मोदी व शाह के कारण हुई मध्य प्रदेश में जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। चुनाव के बाद लगता है मध्य प्रदेश भाजपा कई अन्य नेताओं के अंदर भी सीएम बनने की भावनाएं हिलोरे मारने लगी है तभी तो कुछ ऐसे बयान आने शुरु हो गए जो भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की नींद उड़ा सकत है। दरअसल, इंदौर -एक नंबर विधानसभा क्षेत्र से जीत दर्ज कराने वाले भाजपा उम्मीदवार कैलाश विजयवर्गीय ने लाड़ली बहना योजना को प्रदेश में जीत का पूरा श्रेय नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि राजस्थान, छत्तीसगढ़ में यह योजना नहीं थी, फिर भी भाजपा ने वहां जीती। योजना का थोड़ा फायदा जरुर मिलता है, लेकिन प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, गृहमंत्री अमित शाह की कुशल रणनीति और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की संगठन क्षमता के कारण प्रदेश में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला है।विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर के वाहनों की सीरिज एमपी-09 है। यहीं आंकड़ा हमने इंदौर में पाया है। कांग्रेस का कोई उम्मीदवार यहां जीत दर्ज नहीं करा पाया। हमारा कार्यकर्ता पूरे समय फिल्ड में रहा। उन्होंने कहा कि जनता यह समझ चुकी है कि यह देश मोदी के हाथों में सुरक्षित है। भाजपा ने लोगों को दिल जीता है।

मैं करुणानिधि का पोता हूं, माफी नहीं मांगूंगा : उदयनिधि

» बोले- सनातन पर मेरी बातों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। चार राज्यों में से तीन राज्यों में अपनी शानदार जीत का परचम लहराने के बाद बीजेपी ने कांग्रेस को पछाड़ दिया है। इन नतीजों के बीच, हाल ही में सनातन को लेकर अपने विवादित बयान को लेकर चर्चा में आने वाले उदयनिधि स्टालिन की प्रतिक्रिया सामने आई है। उदयनिधि ने बीजेपी के ऊपर शिकंजा कसते हुए सनातन को लेकर फिर बयान दिया और कहा, बीजेपी ने मेरे बयान को तोड़ मरोड़कर पेश किया और देश के लोगों ने उस पर खूब चर्चा भी की।

आगे बढ़ते हुए उन्होंने कहा, मुझे माफी मांगने के लिए भी कहा गया था, पर मैं कोई माफी नहीं मांगने वाला हूं क्योंकि मैं स्टालिन का बेटा हूं और साथ ही करूणानीधि का पोता भी हूं। मैं उनकी आइडियोलाजी को ही फॉलो कर रहा हूं। अपने बयान पर सफाई देते हुए उदयनिधि ने यह भी कहा कि मैं उस वक्त चेन्नई के एक सम्मेलन में भाग लेने गया था यहां सिर्फ तीन मिनट के लिए बोला था। मैंने जो कुछ भी कहा वह यह था कि सभी के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए और किसी के साथ भी भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए, और भेदभाव के हर प्रयास को खत्म कर देह ना चाहिए। लेकिन बीजेपी ने मेरे बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया, इसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया और पूरे देश को मेरे बारे में बात करने पर मजबूर भी कर दिया। उन्होंने आगे कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश चुनाव प्रचार में मेरे बारे में बात की थी।

मुझे कानून पर पूरा भरोसा

उन्होंने कहा कि मैंने नरसंहार का आह्वान किया है, लेकिन उन्होंने ऐसी बातें भी कहीं जो मैंने कभी कही ही नहीं थी। इन सब की वजह से कुछ संतों ने तो मेरे सिर पर 5-10 करोड़ का इनाम तक घोषित कर दिया था। खैर यह मामला फिलहाल कोर्ट में चल रहा है और मुझे कानून पर पूरा भरोसा है। मैं जनता हूं कि कानून हमेशा सच का साथ ही देगा।

लोस में फिर उठाएंगे जातिगत जनगणना का मुद्दा

» अजय राय बोले- कांग्रेस प्रत्याशियों की हार का अंतर बहुत कम रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि जातिगत जनगणना का मुद्दा पूरी तरह सही है। यह देश के कमजोर तबकों की सामाजिक और आर्थिक भागीदारी बढ़ाने के लिए कांग्रेस और राहुल गांधी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वे इससे कभी पीछे नहीं हट सकते। उन्होंने कहा कि कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनाव में भी इसी मुद्दे के साथ उतरेगी और भाजपा को हराने का काम करेगी।

चार राज्यों के चुनाव परिणाम पर टिप्पणी करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि चुनाव परिणामों का बारीकी से विश्लेषण करने से यह समझ आती है कि जनता ने कांग्रेस के मुद्दे पर अपनी सहमति जताई है। यहां तक कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ में जहां हर चुनाव में सरकार बदलने जैसी परंपरा रही है, वहां भी कांग्रेस प्रत्याशियों की हार का अंतर बहुत कम रहा है। यह साबित करता है कि जातिगत जनगणना का दांव बिल्कुल सही है और जनता ने इस पर अपना समर्थन भी व्यक्त किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर यह चुनाव जीता है। चुनाव के ठीक पहले कांग्रेस नेताओं के घर पर छापे डालकर उनका मनोबल तोड़ने की कोशिश की गई। लेकिन वे यूपी में इस मुद्दे के सहारे भाजपा को घेरेंगे और उसे हराने का काम करेंगे। गौरतलब हो कि पांच विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना का मुद्दा पुरजोर तरीके से उठाया था। माना जा रहा था कि कांग्रेस इसी मुद्दे के सहारे लोकसभा चुनाव में भी उतरेगी और मोदी के सामने बड़ी चुनौती पेश करेगी। लेकिन चुनाव परिणाम बताते हैं कि कांग्रेस का यह दांव बहुत कारगर नहीं रहा और पार्टी को मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ तीनों राज्यों में भाजपा के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में कांग्रेस की रणनीति पर सवाल उठने लगे हैं। भाजपा ने दावा किया है कि कांग्रेस का जातिगत जनगणना का दांव पूरी तरह फ्लॉप साबित हुआ है। यह भी कहा जा रहा है कि इस मुद्दे की असफलता देखते हुए विपक्ष को अपनी रणनीति में बदलाव करने की आवश्यकता है।

यूपी-बिहार में चलेगा मुद्दा

इस चुनाव परिणाम के बाद भी कई लोगों का मानना है कि यूपी-बिहार में सबसे ज्यादा आर्थिक-सामाजिक पिछड़ापन है। इसे दूर करने के लिए जातिगत भागीदारी बढ़ाने का काम किया जाना जरूरी है। यह जातिगत जनगणना के बाद ही किया जा सकता है। ऐसे में इस मुद्दे में दम है और इसके सहारे विपक्ष लोकसभा चुनावों में भाजपा को घेर सकती है।

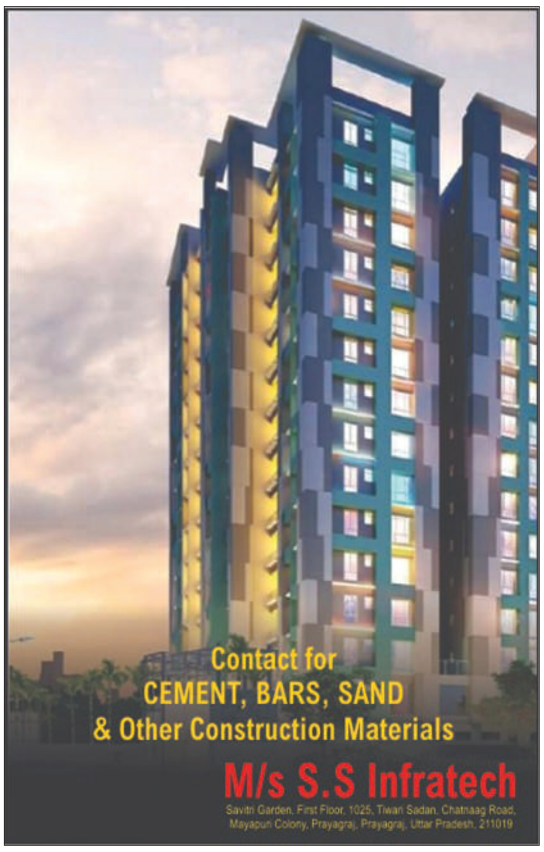

राजस्थान में गुर्जरों ने कांग्रेस को दिया झटका

मोदी के मास्टर स्ट्रोक से भी नुकसान

» सचिन पायलट भी कुछ नहीं कर सके

» कांग्रेस नाराजगी नहीं भांप पाई

गीताश्री

राजस्थान। राजस्थान में गुर्जर मतदाता बड़ी संख्या में है। गुर्जर समाज से ही सचिन पायलट तालुक रखते हैं। हालांकि इस बार ऐसा लग रहा है कि गुर्जर मतदाता कांग्रेस से दूरी बनाते हुए दिखाई दे रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि जिस तरीके से कांग्रेस ने सचिन पायलट को पहले तो मुख्यमंत्री नहीं बनाया।

कांग्रेस के दिग्गज नेता सचिन पायलट रविवार को पहले दौर की गिनती में मामूली झटके के बाद अपने टोंक विधानसभा क्षेत्र में आगे चल रहे हैं, जिसमें वह शुरूआत में पीछे चल रहे थे। पायलट ने 2018 में बीजेपी उम्मीदवार यूनुस खान को 54,179 वोटों के अंतर से हराकर सीट जीती थी। सचिन पायलट राजस्थान के एक प्रमुख गुर्जर नेता हैं जो लगातार गहलोत सरकार के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर करते रहे हैं। हालांकि इस अंदरूनी कलह के कारण राज्य में कांग्रेस परेशानी में दिख रही है।

पूर्वी राजस्थान में बीजेपी की पकड काम आई

भाजपा ने जहां 10 गुर्जर उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारा है तो वहीं कांग्रेस ने 11 को टिकट दिया है। 2018 में कांग्रेस के 8 गुर्जर विधायक चुने गए थे। भाजपा कहीं ना कहीं गुर्जर समाज के वोट बैंक को लेकर पूरी तरीके से सक्रिय नजर आ रही है। साथ ही साथ सचिन पायलट को भी उनके गढ़ में घेरने की तैयारी में है। इस वक्त देखे तो गुर्जर समाज खुलकर भाजपा का समर्थन कर रहे हैं और यह खुद कांग्रेस पार्टी के नेताओं को भी पता चलने लगा है। यही कारण है कि कहीं ना कहीं भाजपा के बड़े नेताओं के निशाने पर सचिन पायलट की तुलना में अशोक गहलोत ज्यादा है। इस बार गुर्जर बेल्ट में खासकर पूर्वी राजस्थान में बीजेपी की उम्मीदें ज्यादा बढ़ी। भाजपा की ओर गुर्जर के झुकाव का एक कारण यह भी है कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल जनवरी में गुर्जरों के देवता देवनारायण के 1,111वें अवतरण महोत्सव के असवर पर भीलवाड़ा में एक कार्यक्रम को संबोधित किया था।

विशेषज्ञों के मुताबिक यह पार्टी के लिए सचिन पायलट को अधिक जिम्मेदारी देने का मौका बन सकता है। 2018 में, सचिन पायलट पार्टी के अध्यक्ष थे जब उन्होंने राज्य को भाजपा से छीन लिया था। सचिन को उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष पद से भी हटा दिया गया जिससे वह नाराज हैं। 2018 में जब कांग्रेस को जीत मिली थी तो गुर्जरों को लगा था कि सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ जिसकी वजह से इस बार के चुनाव में कांग्रेस के लिए मुश्किलें होती दिखाई दे रही हैं। फिलहाल राज्य में भाजपा ने जबर्दस्त बहुमत बना ली है। भाजपा कार्यकर्ताओं में जहां जश्न का माहौल है तो वहीं कांग्रेस में थोड़ी खामोशी देखी जा रही है।

जातिगत समीकरण साधने में फेल रहे गहलोत

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार कांग्रेस और एक बार भाजपा की सरकार बनने की परंपरा को बदलने के लिए राजस्थान सरकार की तिजोरी को खोल दिया था। गारंटी देने से लेकर कांग्रेस को वोट देने के लिए सचिन पायलट तक का वीडियो संदेश अपने सोशल मीडिया हैंडल से जारी किया। राहुल गांधी से लेकर मल्लिकार्जुन खरगे तक ने जयपुर में कैंप किए, लेकिन सरकार रिपीट नहीं हो पाई। भाजपा के हिंदुत्व कार्ड, ध्रुवीकरण के आगे कांग्रेस पस्त हो गई। सचिन पायलट से टकराव गहलोत को भारी पड़ा। भाजपा की पांच साल बाद फिर सत्ता में वापसी हो गई है। प्रदेश की जनता ने पीएम मोदी पर भरोसा जताया है। उनके ही चेहरे पर भाजपा ने चुनाव लड़ा, जिस पर जनता ने वोट किया है।

केसीआर से नाराजगी का मिला कांग्रेस को लाभ

» मुस्लिमों का भी मिला साथ रेवंत ने लगाई ताकत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। कांग्रेस ने के चंद्रशेखर राव और उनकी सरकार के आसपास सत्ता विरोधी लहर का फायदा उठाया और ऐसा लगता है कि उसने ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भारी वोट हासिल किए हैं। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में से आज चार राज्यों के नतीजे आ रहे हैं। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भाजपा भारी बहुमत के साथ चुनाव जीतती नजर आ रही है। वहीं, तेलंगाना में कांग्रेस के पक्ष में नतीजे जाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

तेलंगाना में भारत राष्ट्रीय समिति को शिकस्त देखनी पड़ रही है। भारत राष्ट्रीय समिति के के चंद्रशेखर राव वाली सरकार के कई बड़े मंत्री भी चुनाव हारते हुए दिखाई दे रहे हैं। तीन राज्यों में मिल रही करारी शिकस्त के बीच से तेलंगाना से कांग्रेस के लिए बड़ी उम्मीद आई है। यही कारण है कि तेलंगाना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है। तमाम एग्जिट पोल में भी तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बनती हुई दिखाई दे रही थी और अब नतीजे में भी यही तब्दील होता हुआ दिख रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि मुस्लिम वोटों ने कांग्रेस की ओर रुख किया है, खासकर उसकी अल्पसंख्यक घोषणा के साथ, जो अल्पसंख्यक कल्याण पर केंद्रित थी। इसलिए, एआईएमआईएम का नुकसान और कांग्रेस को फायदा होता दिखाई दे रहा है।

कांग्रेस की गारंटी पर लोगों ने सराहा

कांग्रेस पार्टी ने अभियान के दौरान छह प्रमुख कल्याणकारी वादे किए, महालक्ष्मी, एक महिला-केंद्रित कल्याण कार्यक्रम, रयथु भरोसा, किसानों और कृषि श्रमिकों के उद्देश्य से, इंदिराम्मा, जिसने गरीब लोगों के लिए सस्ते आवास का वादा किया था, गृहज्योति, बिजली बिल सब्सिडी का वादा, युवा विकासम आर्थिक रूप से पिछड़े घरों के बच्चों को उनकी शिक्षा और चेयुथा, एक स्वास्थ्य बीमा और पेंशन कार्यक्रम में मदद करेगा। ऐसा प्रतीत होता है कि ये मतदाताओं के बीच घर कर गए हैं और दलितों और अन्य पिछड़े वर्गों के असंतोष को भुनाया गया है।

बंदी संजय को हटाना बीजेपी को पड़ा भारी

जुलाई में अपने प्रमुख बंदी संजय को हटाकर जी किशन रेड्डी को नियुक्त करने के बाद भाजपा ने अपनी राज्य इकाई को कमजोर कर दिया। ऐसा प्रतीत होता है कि इसने पार्टी को अस्थिर कर दिया है और इसे बहुत कमजोर स्थिति में छोड़ दिया है। यही कारण है कि कांग्रेस को ज्यादा मजबूती मिली है।

हम इसे एक सीख के रूप में लेंगे और वापसी करेंगे : राव

केटी रामा राव ने तेलंगाना में बीआरएस की हार को स्वीकार कर लिया है। केटी रामा राव तेलंगाना में मंत्री रहे हैं और वह के चंद्रशेखर राव के बेटे भी हैं। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि बीआरएस को लगातार दो कार्यकाल देने के लिए तेलंगाना के लोगों का आभारी हूं। आज के नतीजे से दुखी नहीं हूं, लेकिन निराश जरूर हूं क्योंकि यह हमारे लिए उम्मीद के मुताबिक नहीं था। लेकिन हम इसे एक सीख के रूप में लेंगे और वापसी करेंगे। जनादेश जीतने पर कांग्रेस पार्टी को बधाई।

कांग्रेस ने राज्य में अच्छी बढ़त हासिल करते हुए के.चंद्रशेखर राव के सपने को चकनाचूर कर दिया। बीआरएस की परेशानी बढ़ाने के लिए, राज्य के दो बार के मुख्यमंत्री राव उन दो सीटों में से एक से पीछे चल रहे हैं, जिन पर वह चुनाव लड़ रहे हैं। वह कामारेड्डी में कांग्रेस के युवा राज्य प्रमुख रेवंत रेड्डी से पीछे चल रहे हैं। तेलंगाना राष्ट्र समिति, जिसे अब भारत राष्ट्र समिति का नाम दिया गया है, ने तेलंगाना के राज्य आंदोलन का नेतृत्व किया था और 2014 में राज्य को आंध्र प्रदेश से अलग करने के बाद से एक दशक तक अटूट समर्थन प्राप्त किया था।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कांग्रेस को फिर जी-जान से जुटना होगा

> उत्तर, मध्य, पूर्व व पश्चिम में भाजपा की अपेक्षा कांग्रेस कमजोर है। उसकी स्थिती फिलहाल दक्षिण में मजबूत है। राहुल व खरगे को बैठकर पूरे संगठन पर काम करना होगा। कुल मिलाकर हिम्मत के साथ उठकर फिर डटकर जुटेंगे तो कांग्रेस ही नहीं पूरे विपक्ष को आगामी चुनावों में लाभ होगा।

चार विधान सभा के नतीजे आने के बाद सबसे ज्यादा नुकसान में कांग्रेस रही। इस हार के बाद अब कांग्रेस को अपनी समीक्ष करनी होगी। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को 2024 लोकसभा चुनाव के बाबत कड़ी मेहनत तो करनी ही पड़ेगी ही अब उसे अपनी रणनीति में सुधार कर जितनी जल्द हो सके आम जनता के बीच जाकर फिर विश्वास जगाना होगा। साथ इंडिया गठबंध को भी मजबूती देने की कोशिश करनी होगी। उत्तर, मध्य, पूर्व व पश्चिम में भाजपा की अपेक्षा कांग्रेस कमजोर है। उसकी स्थिती फिलहाल दक्षिण में मजबूत है। राहुल व खरगे को बैठकर पूरे संगठन पर काम करना होगा। कुल मिलाकर हिम्मत के साथ उठकर फिर डटकर जुटेंगे तो कांग्रेस ही नहीं पूरे विपक्ष को आगामी चुनावों में लाभ होगा। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा चुनावों के नतीजों से विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन के अस्तित्व पर सवाल उठने लगा है।

गठबंधन के कई घटक दलों ने अकेले चुनाव लड़ने को लेकर कांग्रेस की आलोचना की है। साथ ही यह जताने और बताने की भी कोशिश की है कि यह इंडिया गठबंधन नहीं, बल्कि कांग्रेस की हार है। तीन राज्यों में मिली हार से खुद कांग्रेस का कद भी घटेगा और गठबंधन में उसकी आधार दल की स्थिति को भी चुनौती मिलेगी। गठबंधन के प्रबल समर्थक और महाराष्ट्र में कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार चला चुकी शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि अगर कांग्रेस ने 'इंडिया' गठबंधन के तहत चुनाव लड़ा होता तो मप्र का नतीजा अलग होता। कांग्रेस को सहयोगियों के प्रति अपने दृष्टिकोण पर फिर से विचार करना चाहिए और याद दिलाया कि कमलनाथ ने चुनाव के दौरान समाजवादी पार्टी के साथ सीटें साझा करने का विरोध किया था। शिवसेना-कांग्रेस के इस टकराव का हवाला देते हुए शिवसेना (यूबीटी) की ही नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने भी कहा कि इससे बचाना जाना चाहिए था। उन्होंने कांग्रेस से घटक दलों के प्रति उदार नजरिया अपनाने को भी कहा। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस को इस पर मंथन करना चाहिए कि भाजपा से सीधे मुकाबले में उससे कमी कहां रह गई। भाजपा के खिलाफ विपक्ष के गठबंधन के सूत्रधारों में से एक और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू के नेता केसी त्यागी ने कहा कि यह इंडिया गठबंधन की नहीं, कांग्रेस की हार है। केरल के मुख्यमंत्री और माकपा नेता पी विजयन कांग्रेस के प्रति कुछ ज्यादा ही कठोर नजर आए। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने पहले ही सोच लिया कि वह जीत चुकी है और उसे हराया नहीं जा सकता। यही सोच उसके पतन का कारण बना।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

शहादत की कीमत और मुआवजों की प्रदर्शनी

विश्वनाथ सचदेव

मुश्किल से आधे मिनट का भी नहीं है वह वीडियो पर फेसबुक पर उसे देखकर मैं सहम-सा गया था। वीडियो आगरा का है। सत्ताईस वर्षीय कैप्टन शुभम गुप्ता का गृह स्थान है आगरा। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में आतंकवादियों से हुई मुठभेड़ में इस युवा जांबाज ने अपना सर्वोच्च बलिदान देकर अपनी माटी का कर्ज चुकाया था। उनका शव अभी पहुंचा नहीं था। पर उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री पहुंच गये थे। उनके साथ स्थानीय विधायक भी थे। घर में कोहराम मचा हुआ था। कैप्टन शुभम की बिलखती मां संभाले नहीं संभल रही थीं। और मंत्री जी उन्हें शासन की ओर से पचास लाख रुपये का चेक देने पर आमादा थे। वे चेक ही नहीं देना चाह रहे थे, दुखिया मां को चेक देते हुए एक फोटो भी खिंचवाना चाहते थे। मंत्री जी वह चेक मां के हाथ में देना चाहते थे और मां के हाथ मातम मना रहे थे। वे चेक दे पाये या नहीं, पता नहीं, पर मां को जबरन चेक देने की कोशिश का वह वीडियो अवश्य वायरल हो गया। बिलखती मां यह कहती ही रह गयी, 'मेरी प्रदर्शनी मत लगाओ, मुझे मेरा बेटा लौटा दो।'

इससे पूर्व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री यह घोषणा कर चुके थे कि शहीद कैप्टन को इस राशि के अलावा उनके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी भी दी जायेगी। शहीदों के बलिदान की कोई कीमत नहीं लगायी जा सकती, फिर भी जितनी कीमत लगे उतनी कम होती है। सवाल इस सहायता का नहीं है, सवाल उस असंवेदनशील प्रदर्शन का है जो इस सहायता के साथ जुड़ गया है। शव पहुंचने से पहले चेक पहुंचना क्यों जरूरी था? चेक को मां के हाथों में सौंपना भी मंत्री महोदय को क्यों जरूरी लगा? और क्यों जरूरी था उसका वीडियो बनाया जाना? मंत्री महोदय वीडियो क्यों बनवाना चाहते थे, पता नहीं, पर आज यह वीडियो कुल मिलाकर एक असहजता का प्रतीक बनकर रह गया है! पता नहीं क्या तर्क है इसके पीछे, पर जब भी कोई ऐसी घटना घटती है जिसमें जान-माल की हानि होती है, सरकार मुआवजे की घोषणा तत्काल कर देती है।

मुआवजा देना गलत नहीं है, पर मुआवजे की प्रदर्शनी लगाना किसी भी दृष्टि से सही नहीं कहा जा सकता। आखिर ऐसी घोषणाओं का मतलब क्या है? आगरा की यह घटना इसका जो मतलब समझाती है, वह यही है कि ऐसी घोषणाएं करके और ऐसी प्रदर्शनी लगाकर सरकारें संवेदनशीलता का नहीं, संवेदनहीनता का परिचय देती हैं। कैप्टन शुभम गुप्ता के बलिदान पर हर भारतीय को नाज है, लेकिन उनके बलिदान का बदला चुकाने की यह प्रदर्शनी हर भारतीय को व्यथित करती है। इस मुआवजे या सहायता के पीछे भावना सही भी हो सकती है, पर जो संवेदनहीनता इसमें दिखाई देती है वह अनुचित ही, वह चेक बलिदानी सैनिक की मां को तभी देना क्यों जरूरी समझा गया? और मंत्रीजी को यह क्यों लगा कि इस अवसर का चित्र भी होना चाहिए? इन प्रश्नों का उत्तर यह हो सकता है कि शासन यह संदेश देना चाहता है कि वह बलिदानियों का सम्मान करता है। पर जो संवेदनहीनता इसमें झलक रही है, वह स्पष्ट बताती है कि कहीं न कहीं शासन इसे एक रस्म अदायगी के रूप में ही देखता है। बरसों पुरानी एक घटना याद आ रही है। शायद ओडिशा विधानसभा की है यह घटना। एक आदिवासी युवती के साथ दुराचार के मामले पर चर्चा चल रही थी। मंत्री जी ने अपना वक्तव्य देते हुए पीड़िता को एक राशि दिए जाने की घोषणा की। जब मामले की गंभीरता को रेखांकित करते हुए विपक्ष के एक सदस्य ने कहा कि पीड़िता के साथ एक बार नहीं, दो बार दुष्कर्म हुआ है तो मंत्री महोदय ने सहज ही कह दिया, 'तो फिर हम मुआवजा दुगना कर देंगे।' स्पष्ट है मंत्री जी की दृष्टि में, और शासन की दृष्टि में भी, आदिवासी युवती के साथ दुष्कर्म की कीमत कुछ रुपये ही थी। मामला एक युवती के साथ दुराचार का नहीं, समूची नारी-शक्ति के अपमान का है और इस अपमान को रुपयों से नहीं नापा जा सकता। इस मामले में सवाल एक बीमार मानसिकता का भी था, जिसमें नारी की अस्मिता दांव पर लगी थी। मुझे दुराचार के मुआवजे की घोषणा करने वाले मंत्री महोदय और आगरा के घटनाक्रम में फोटो खिंचवाने की मनोवृत्ति वाले मंत्री की मानसिकता में कोई अंतर नहीं दिखाई दे रहा।

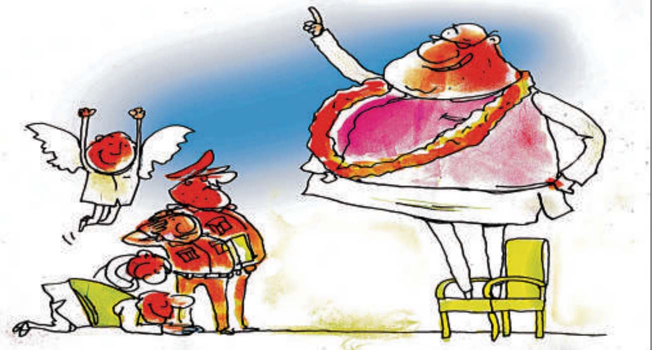

कैप्टन शुभम की मां की पीड़ा की कल्पना करना आसान नहीं है। वह बार-बार कहती रही हैं, मेरी प्रदर्शनी मत लगाओ, और मंत्री महोदय चाह रहे हैं चेक देते हुए फोटो खींचा जाये। आखिर क्यों? कहां प्रचार कराना चाहते थे मंत्री महोदय? इस तरह की घटनाएं यह सोचने पर बाध्य करती हैं कि कहीं हमारी संवेदनशीलता कुंद तो नहीं होती जा रही।

साफ मंशा के साथ जरूरी रचनात्मक पहल

वरुण चौधरी मुलाना

देश के समृद्ध और प्रगतिशील राज्यों में से एक होने के बावजूद हरियाणा सामाजिक विकास के विभिन्न मापदंडों पर पिछड़ा हुआ है। विशेषकर महिला साक्षरता, कुपोषण, असमान अवसर, असुरक्षा, भ्रूण हत्या, यौन शोषण, आर्थिक-सामाजिक निर्भरता और बाल विवाह जैसे अनेक कारणों से महिलाओं की सामाजिक स्थिति बहुत बेहतर नहीं है। यदि महिलाएं सियासी तौर पर सशक्त होती तो उनके ये हालात न होते। दरअसल, हरियाणा में महिलाओं की विरोधाभासी स्थिति है। एक तरफ जहां देश में शन्नो देवी हरियाणा विधानसभा की प्रथम महिला अध्यक्ष बनीं, तो वहीं सावित्री जिंदल देश की सबसे धनाढ्‌य महिला, उधर महिला अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला ने हरियाणा का नाम दुनिया में रोशन किया।

खेलों में महिला पहलवानों ने हरियाणा को नई पहचान दी तो दूसरी तरफ गरीबी, कुपोषण और निरक्षरता जैसी विषमताओं से जूझती साधारण महिलाएं हैं। महिलाओं के प्रति मध्यकालीन सामाजिक सोच के कारण प्रदेश में महिलाएं प्रतिभावान होते हुए भी शैक्षणिक, आर्थिक, सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र में पिछड़ी हुई हैं। प्रदेश की लगभग आधी आबादी की बतौर नीति निर्धारक प्रतिभागिता के बगैर समाज के सर्वांगीण विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। यूं तो राजनीति में महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने के मामले में भारत ही अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान और बांग्लादेश से भी पीछे है। साल 2011 की जनगणना के मुताबिक महिलाओं की 48.5 फीसदी आबादी में से संसद और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व बहुत कम है। लोकसभा में 82 और राज्यसभा में सिर्फ 31 महिला सदस्य हैं। राज्यों की विधानसभाओं में भी महिलाओं की हिस्सेदारी बहुत कम है। बता दें कि 19 विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी 10 फीसदी से भी कम है। जिन विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 10 फीसदी से अधिक है उनमें देश के केवल 9 राज्य हैं। इनमें छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, राजस्थान व पंजाब और बिहार आदि शामिल हैं। कुल 68 विधानसभा सदस्यों वाले हिमाचल प्रदेश में मात्र एक महिला विधायक है।

वर्ष 1966 में हरियाणा प्रांत बनने के बाद अब तक हुए 13 विधानसभा चुनावों (1967 से 2019 तक) में कुल 1193 सदस्य चुने गए हैं जिनमें महिला विधायकों की संख्या केवल 92 है यानी 8 प्रतिशत से भी कम रही। इन 92 महिला विधायकों में केवल 23 ऐसी विधायक हैं जो एक से अधिक बार चुनी गई। हकीकत में केवल 50 महिलाएं ही विधानसभा सदस्य बन पाई। इनमें अनुसूचित जाति से संबंधित महिलाओं की संख्या मात्र 24 है जिनमें 6 महिला सदस्य एक से अधिक बार चुनी गई। अनुसूचित जातियों की केवल 13 महिलाएं ही विधानसभा सदस्य बन पाई हैं जो हरियाणा के 57 वर्ष के चुनावी इतिहास में चुने विधायकों का मात्र एक फीसदी है। महिलाओं के सियासी सशक्तीकरण की दिशा में कई कागजी प्रयास किए गये लेकिन ज्यादातर हवाई साबित हुए। अंततः तीन दशक इंतजार के बाद देश में हाल ही में संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के 33 प्रतिशत आरक्षण के लिए 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' लाया गया।

महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण में इसे कारगर करने के लिए कई शर्तें आड़े आ रही हैं। पहली बात, यह अधिनियम 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव में लागू नहीं होगा। दूसरा, 2026 में लोकसभा सीटों के परिसीमन के बाद यह लागू होगा। तीसरे, यह अधिनियम केवल 15 साल के लिए लागू होगा और इसके बाद संसद में फिर से अधिनियम लाना होगा। चौथे, जिन राज्यों में विधानसभा के अलावा विधान परिषद हैं वहां महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का अधिनियम लागू ही नहीं होगा। महिलाओं को संसद व विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण के इस आधे-अधूरे अधिनियम से साफ है कि मंशा महिलाओं के सियासी सशक्तीकरण की नहीं, सिर्फ गुमराह कर वोट बैंक हथियाने की है। पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत और पिछड़े वर्गों (ए-वर्ग) के लिए 7 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं व अन्य कमजोर वर्गों के सियासी सशक्तीकरण की दिशा में सराहनीय कदम है। लेकिन शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं का 33 प्रतिशत आरक्षण राजनीति से प्रेरित नजर आता है। वहीं व्यावहारिक तौर पर दोनों पंचायती राज तथा शहरी स्थानीय निकायों अधिनियमों के अंतर्गत चुनी गई महिला प्रतिनिधियों के दायित्व कार्य और शक्ति का दुरुपयोग पंच, सरपंच या पार्षद पतियों द्वारा किया जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सशक्त भारत निर्माण की परिकल्पना सत्ता के विकेंद्रीकरण से परिपूर्ण थी जिसमें स्थानीय लोगों की भागीदारी पर जोर दिया गया था। इसलिए केंद्र में कांग्रेस सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं को व शहरी स्थानीय निकायों को संवैधानिक दर्जा दिया।

इतिहास साक्षी है कि राजनीतिक परिवर्तन से पहले सामाजिक परिवर्तन होना आवश्यक है। निःसंदेह अपराध और भेदभाव मुक्त समाज की संरचना में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। हरियाणा में राजनीतिक प्रतिनिधित्व के साथ महिलाओं को शिक्षित व आर्थिक स्वावलंबी बनाकर उनके हालात में आवश्यक सुधार लाया जा सकता है। इस दिशा में गंभीर प्रयास होने चाहिए। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति तथा सामाजिक सोच में बदलाव जरूरी है। दलगत सियासत से ऊपर उठकर सरकारें और राजनीतिक पार्टियां महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए कारगर कदम उठाएं।

नॉलेज बेस्ड गेम्स खेलें

आजकल इंटरनेट पर कई नॉलेज बेस्ड गेम्स भी मौजूद हैं। आप मोबाइल या टैब पर बच्चों को उस तरह के गेम्स खेलने को कहें या फिर आप भी उनका इसमें साथ दें। मगर कुछ गेम्स खेलने से बच्चों की मेंटल ग्रोथ में भी तेजी आने लगती है। जिसके चलते खेल-खेल में बच्चों की पढ़ाई के प्रति दिलचस्पी भी आसानी से बढ़ाई जा सकती है। बच्चों के लिए कुछ बेस्ट गेम्स हैं जिनकी मदद से आप बच्चों को स्टडीज में भी परफेक्ट बना सकते हैं।

क्विज शो देखना और उनमें भाग लेना

आजकल कल के बच्चों को पेरेंट्स आसानी से मोबाइल हाथ में दे देते हैं, लेकिन आप इस वक्त का उपयोग और अच्छे तरीके से कर सकते हैं। बच्चों के साथ टीवी और इंटरनेट पर क्विज शो देखें। इससे उनकी नॉलजे बढ़ेगी। साथ ही, आप बच्चों को नॉलेज बेस्ड चैनल्स देखने के लिए कहें, जिससे उनकी पसंद इस ओर अपने आप बढ़ने लगे। इन दिनों किसी भी परीक्षा में प्रतियोगिता का स्तर काफी बढ़ गया है। बात चाहे कॉलेज में एडमिशन लेने की हो या सरकारी नौकरी, इनके लिए होने वाली परीक्षा में लाखों उम्मीदवार शामिल होते हैं। ऐसे में उन्हें अलग-अलग स्तरों पर परखने के लिए एग्जाम पैटर्न में भी कई तरह के बदलाव किए जाते हैं।

हेल्दी डिस्कशन

बच्चों को घर में किसी भी हेल्दी डिस्कशन का हिस्सा बनाएं और उनके विचार जानने की कोशिश करें। जब पूरी फैमिली एक साथ बैठी हो तो, किसी भी चर्चा में बच्चों का नजरिया जानना और उनकी बात सुनने से बच्चे में पॉजिटिविटी आएगी और उसका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

कम उम्र में ही ऐसे बढ़ाएं बच्चों का नॉलेज

एक माता-पिता के तौर पर अपने बच्चे को सही परवरिश देना काफी मुश्किल भरा कार्य होता है। तकनीक के इस दौर में बच्चों को गलत चीजों से बचाकर सही चीजों की तरफ ले जाना भी कठिन होता है। ऐसे मे जरूरी है कि आप बचपन से ही उनके दिमाग में सही नॉलेज भरे ताकि भविष्य में वह आसानी से सही और गलत की पहचान कर सकें। वैसे देखा जाए तो बचपन से ही बच्चे कुछ न कुछ नया सीखते रहते हैं। हर उम्र के पढ़ाव के साथ उनके जीवन में नए दौर आते हैं और नई चीजों को सीखने की होड़ उनमें बढ़ती जाती है। स्कूल में एक्टिव रहने से बच्चों को आगे बढ़ने का मौका काफी जल्दी मिलता है। आज कल के कॉम्पटीशन के दौर उनपर हर तरह से प्रेशर रहता है। ऐसे में माता-पिता के लिए भी बच्चों की जनरल नॉलेज को बढ़ाने का एक चुनौतीपूर्ण काम रहता है। बच्चे में जानकारी की कमी उसे कई तरह से पीछे कर देती है। ऐसे में बेहद जरूरी है कि माता-पिता बच्चे की नॉलेज स्किल्स पर बचपन से ही ध्यान दें।

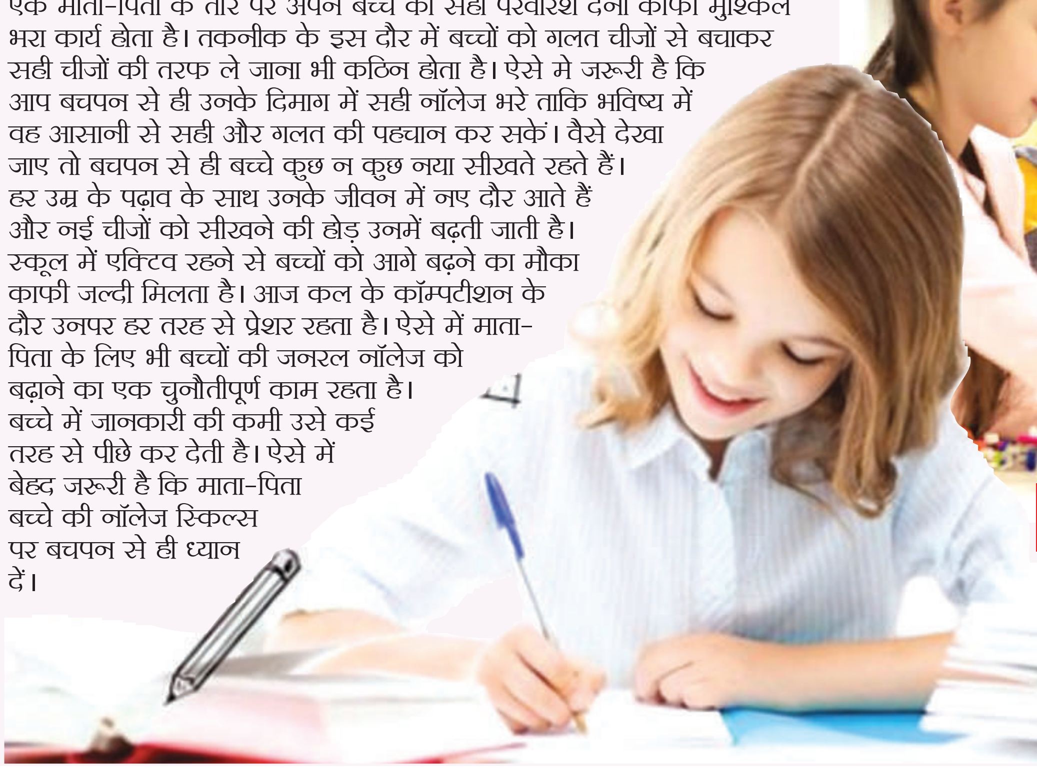

पढ़ने की आदत

बच्चों को बचपन से ही मैग्जीन, अखबार, जनरल नॉलेज की बुक्स और नई बुक्स पढ़ने की आदत डालना बहुत जरूरी है। अन्य नवीन सामग्री पढ़ना बच्चों के बीच सामान्य ज्ञान बढ़ाने का एक और बेहतरीन तरीका है। हम मान सकते हैं कि आजकल के मोबाइल के दौर में बच्चों को न्यूजपेपर पढ़ाने की आदत डालना आसान तो नहीं है, लेकिन नामुमकिन भी नहीं। पढ़ने को मजेदार और मनोरंजक बनाने की प्रमुख सामग्रियों में से एक है बच्चों को किताबों की विभिन्न शैलियों और प्रारूपों तक पहुंच प्रदान करना ताकि वे खोज सकें और उनमें से चुन सकें। बच्चों को विभिन्न प्रारूपों और शैलियों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करें। इससे न केवल एकरसता दूर होगी बल्कि बच्चे को उस शैली/प्रारूप को सीखने में भी मदद मिलेगी।

हंसना मना है

पति बाल कटवाकर घर आया। पति- देखो, मैं तुमसे दस साल छोटा लगता हूं कि नहीं? पत्नी-मुंडन करवा लेते तो लगता जैसे अभी पैदा हुए हो।

पप्पू- पापा बुलेट दिला दो, बाप- पड़ोसन की लड़की को, देख बस से जाती है। पप्पू- यही तो देखा नहीं जाता!

पप्पू अपनी पत्नी से-अच्छा ये बताओ 'बिदाई' के समय तुम लड़कियां इतनी रोती क्यों हो? पत्नी- 'पागल' अगर तुझे पता चले।। अपने घर से दूर ले जाकर कोई तुमसे 'बर्तन मंजवाएगा' तो तू क्या नाचेगा।

मेरे एक पड़ोसी है, जिनका नाम है 'भगवान' और उनकी लड़की का नाम है भक्ति, मम्मी बोलती है कि 'बेटा भगवान की भक्ति में मन लगाया कर' अब मम्मी को कैसे समझाऊं की भक्ति में तो मन लगाता हूं, पर भगवान नहीं मान रहे।

इस मतलबी दुनिया में, एक पान वाला ही है, जो पूछ कर चुना लगाता है!

मैंने दरवाजा खोला तो, उसकी आंखो में आंसू, चेहरे पर हंसी थी, सांसों में आहे, दिल मे बेबसी थी, पगली ने पहले नही बताया की, दरवाजे मे उसकी ऊंगली फंसी थी।

कहानी | सबसे बड़ा हथियार

बादशाह अकबर कामकाज के अलावा भी कई चीजों के बारे में बीरबल से बातचीत किया करते थे। ऐसे ही बैठे-बैठे एक दिन बादशाह ने बीरबल से पूछा कि इस दुनिया में सबसे बड़ा हथियार तुम्हारे हिसाब से कौन-सा होता है? इस बात के जवाब में बीरबल ने कहा कि संसार में आत्मविश्वास से बड़ा हथियार कुछ और नहीं हो सकता है। यह बात अकबर के समझ में नहीं आई, लेकिन फिर भी उन्होंने कुछ नहीं कहा। उनके मन में हुआ कि समय आने पर इस बात की परख की जाएगी। कुछ दिनों बाद राज्य में एक हाथी बेकाबू हो गया। पता करने पर समझ आया कि वो पागल हो गया है। उसे कर्मचारियों ने जंजीरों से जकड़ लिया था। इसकी खबर जैसे ही बादशाह को पहुंची, तो उन्होंने सीधे महावत से कहा कि जब भी तुम्हें बीरबल आता दिखे तो हाथी की जंजीरों को खोल देना। यह सुनकर महावत हैरान हो गया, लेकिन बादशाह का आदेश था, इसलिए सिर झुकाकर चला गया। अब अकबर ने बीरबल को महावत के पास जाने के लिए कहा। महावत ने भी बादशाह के आदेश का पालन करते हुए बीरबल को आते देख हाथी को जंजीरों से मुक्त कर दिया। बीरबल को इस बात की खबर नहीं थी, इसलिए वो आराम से चल रहे थे। तभी उनकी नजर चिंघाड़ते हुए हाथी पर पड़ी। जैसे ही उन्होंने देखा कि हाथी उनकी ही तरफ आ रहा है। वो कुछ समझ नहीं पाए। कुछ ही देर में उनके दिमाग में हुआ कि बादशाह ने मेरी आत्मविश्वास वाली बात को परखने के लिए ही इस हाथी को मेरे पीछे छोड़ने का आदेश दिया होगा। अब बीरबल इधर-उधर भागने की सोच रहे थे, लेकिन ऐसा कुछ हो नहीं पाया। सामने से हाथी आ रहा था और अगल-बगल में भागकर जाने की जगह नहीं थी। इतने में हाथी बीरबल के काफी करीब पहुंच गया। तभी बीरबल ने सामने एक कुत्ते को देखा और उसे टांगों से पकड़कर हाथी की तरफ फेंक दिया। कुत्ता चीखते हुए हाथी से टकराया। उसकी ऐसी चीखें सुनकर हाथी वापस उल्टी दिशा में भागने लगा। कुछ ही देर में इस बारे में बादशाह अकबर को पता चला, तब जाकर उन्होंने माना कि आत्मविश्वास ही मनुष्य का सबसे बड़ा हथियार है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

जोखिम व जमानत के कार्यों को आज टाल दें। आकस्मिक मुनाफे या सट्टेबाजी के जरिए आपकी आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगी। व्यापारियों को नए अवसरों की प्राप्ति होगी।

तुला

आज दूसरों पर कुछ ज़्यादा खर्चा कर सकते हैं। बच्चों के साथ समय बिताना आपके लिए ख़ास होगा। आपको पिता से कोई बड़ा उपहार मिलेगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा।

वृषभ

आज दूसरों के साथ आपका तालमेल बेहतर बना रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आपको अपनी मेहनत का सुखद परिणाम हासिल होगा।

वृश्चिक

आज आप उन चीजों को ज्यादा महत्व देंगे जो आपके साथ ही आपके परिवार के लिए भी महत्वपूर्ण है। परिवार और काम के बीच संतुलन बनाकर चलेंगे।

मिथुन

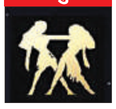

यदि कार्यक्षेत्र में कुछ समय से आपका अपने अधिकारियों से कोई मनमुटाव चल रहा था, तो आज वह भी सुलझेगा और आपका कार्य करने में मन लगेगा।

धनु

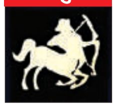

आज का दिन आपके लिए उत्तम सफलता लेकर आएगा। आज आपके विरोधी भी आपकी तरक्की देखकर आपकी प्रशंसा करेंगे, जिसे देखकर आपको हैरानी होगी।

कर्क

बिजनेस पार्टनर के साथ मिलकर किये गये कामों में आपको फायदा होगा। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे।

मकर

आज आपकी सभी इच्छाएं पूरी हो जाएंगी। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी और करियर के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। मुश्किल काम भी आसानी से हो जाएंगे।

सिंह

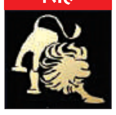

आज कार्यस्थल पर सबके साथ आपका तालमेल बेहतर बना रहेगा। आर्थिक रूप से आपको बड़े भाई का सहयोग प्राप्त होगा। सेहत के मामले में आप अच्छा महसूस करेंगे।

कुम्भ

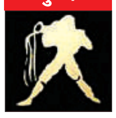

आज का दिन आपके लिए कुछ खास लेकर आया है। घर का वातावरण खुशनुमा बना रहेगा। कुछ जरूरी काम कम मेहनत करने से पूरे हो जाएंगे।

कन्या

आज रोजगार ढूंढ रहे लोगों को ऐसे अवसर प्राप्त होंगे, जिन्हें ना चाहते हुए भी मना नहीं कर पाएंगे, लेकिन दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लायक धन कमाने में समर्थ रहेंगे।

मीन

आज यदि आपने किसी को धन उधार देंगे, तो आपके उस धन के आने की संभावना कम है, जिससे आपके रिश्ते में भी दरार पड़ सकती है।

तब्बू ने ठुकराई कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया-3

कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी और तब्बू की कॉमेडी हॉरर फिल्म भूल भुलैया 2 एक बड़ी हिट साबित हुई थी। फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी ने किया था। यह अक्षय कुमार और विद्या बालन की 2007 की फिल्म भूल भुलैया का सीक्वल थी। तीसरी किस्त को लेकर हलचल मची हुई है। हालांकि, तब्बू शायद इसका हिस्सा नहीं होंगी। चलिए जानते हैं फिल्म को लेकर क्या नया अपडेट सामने आया है।

कार्तिक आर्यन, कियारा आडवाणी और तब्बू की भूल भुलैया-2 के बाद तीसरे किस्त का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। वहीं, अब खबर है कि तब्बू फिल्म के तीसरे भाग का हिस्सा नहीं बन सकती हैं। बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी और तब्बू की कॉमेडी हॉरर फिल्म भूल भुलैया- 2 एक बड़ी हिट साबित हुई थी। फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी ने किया था। यह अक्षय कुमार और विद्या बालन की 2007 की फिल्म भूल भुलैया का सीक्वल थी। तीसरी किस्त को लेकर हलचल मची हुई है। हालांकि, तब्बू शायद इसका हिस्सा नहीं होंगी। चलिए जानते है फिल्म को लेकर क्या नया अपडेट सामने आया है। भूल भुलैया 2 में तब्बू की भूमिका को खूब सराहा गया और फिल्म एक बड़ी व्यावसायिक सफलता साबित हुई। हालांकि, हो सकता है कि उन्होंने इसकी तीसरी किस्त के लिए न कह दिया हो। एक पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार, भारी रकम ऑफर होने के बावजूद अभिनेत्री ने भूल भुलैया 3 को ठुकरा दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार अभिनेत्री का कहना है कि मंजुलिका की भूमिका उनके बहुत करीब है, लेकिन वे इसे जल्द ही दोबारा करने के लिए उत्सुक नहीं हैं। कथित तौर पर तब्बू इस भूमिका को दोबारा निभाने से पहले इंतजार करना चाहती हैं। दूसरी ओर निर्माता फिल्म को जल्द से जल्द शुरू करने के इच्छुक हैं। फिल्म के लिए कार्तिक आर्यन के साथ फ्रेंचाइजी के सीक्वल के बारे में बातचीत शुरू हो चुकी है। फिल्म भूषण कुमार और कृष्ण कुमार द्वारा समर्थित और अनीस बज्मी के जरिए निर्देशित होगी। ऐसे में निर्माता तब्बू को फिर से फिल्म में लाने के लिए बहुत उत्सुक थे, क्योंकि उन्हें लगा कि कार्तिक और तब्बू दोनों एक ऐसी जोड़ी है, जिन्होंने दूसरे भाग के लिए अद्भुत काम किया है और ठीक यही वे तीसरे भाग के साथ भी करेंगे। हालांकि, अब खबर है कि तब्बू ने इस फिल्म को ठुकरा दिया है।

अब ओटीटी पर रिलीज हुई मिशन रानीगंज

अक्षय कुमार और परिणीति चोपड़ा की फिल्म मिशन रानीगंज कुछ समय पहले रिलीज हुई थी और फिल्म सिनेमाघरों में कुछ खास कमाल तो नहीं दिखा पाई थी। अब फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो रही है।

अक्षय कुमार और परिणीति चोपड़ा की फिल्म मिशन रानीगंज इस साल सबसे चर्चित फिल्मों में से रही है। थिएटर्स में फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी अब मेकर्स ने फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने का फैसला ले लिया। फैंस को अक्षय की इस फिल्म के ओटीटी पर रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार था। अक्षय कुमार और परिणीति चोपड़ा स्टारर मिशन रानीगंज: द ग्रेट भारत रेस्क्यू आज स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो गई है। स्ट्रीमिंग प्लैटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने कुछ समय पहले अपने फैंस और फॉलोअर्स को फिल्म की ओटीटी रिलीज के बारे में अपडेट करने के लिए अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया था। नेटफ्लिक्स ने मिशन रानीगंज का एक प्रोमो वीडियो शेयर करते हुए लिखा था, एक असंभव काम। एक आम आदमी। एक अटूट भावना। मिशनरानीगंज अब नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। इसके बाद आज नेटफ्लिक्स ने फिल्म के ओटीटी पर स्ट्रीमिंग होने की खबर साझा करते हुए एक पोस्ट शेयर किया है।

क्या है मिशन रानीगंज की कहानी

फिल्म के बारे में बात करें तो ये कहानी यह थ्रिलर 1989 में पश्चिम बंगाल के रानीगंज में हुई एक सच्ची घटना से प्रेरित है, जिसमें छह खनिकों की मौत हो गई थी और 65 लोग बाढ़ वाली कोयला खदान में फंस गए थे। अक्षय कुमार फिल्म में एक खनन इंजीनियर और बचाव अधिकारी जसवन्त सिंह गिल बने हैं। उन्होंने 65 खनिकों को जान पर खेल कर बचाया था।

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड | मन की बात

बॉलीवुड की चकाचौंध भरी दुनिया को अलविदा कहेंगी इलियाना

बॉलीवुड से लेकर साउथ तक धमाल मचाने वाली अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज इन दिनों कैमरे से दूर मदरहुड एंजॉय कर रही हैं। हालांकि, इलियाना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह अक्सर फैंस के बीच अपनी ग्लैमरस और बोल्ड तस्वीरों के साथ ही बेटे की फोटोज भी शेयर करती रहती हैं, जिस पर फैंस भी प्यार लुटाने में पीछे नहीं रहते हैं। लेकिन इसके बाद भी इलियाना के फैंस उनके फिल्मों में वापसी की इंतजार कर रहे हैं और अक्सर अभिनेत्री से सवाल भी करते हैं। फिल्मों में वापसी पर चुप्पी साधे बैठी इलियाना डिक्रूज के फैंस के लिए हमारे पास एक ऐसी खबर है, जो उनका दिल तोड़ सकती है। दरअसल, कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इलियाना चकाचौंध भरी दुनिया को अलविदा कहने वाली है। अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज इन दिनों सोशल मीडिया पर एक मां के रूप में अपने नए जीवन की झलक साझा करने के लिए सुर्खियों में बनी रहती हैं। अपने नन्हे से राजकुमार, कोआ फीनिक्स डोलन के साथ बिताए पलों को फैंस के साथ साझा करने से लेकर, अपने पोस्ट-डिलीवरी वर्कआउट की वीडियो बनाने करने तक, अभिनेत्री अपने फैंस को हर पल की अपडेट देती है। लेकिन इन सबके बीच हालिया रिपोर्ट्स से पता चला है कि इलियाना जल्द ही सिल्वर स्क्रीन पर वापसी नहीं करेंगी। एक रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेत्री अपने पति माइकल डोलन और बेटे के साथ हमेशा-हमेशा के लिए यूएस में सेटल होने और अपने अभिनय करियर को अलविदा कहने पर विचार कर रही हैं। रिपोर्ट में एक करीबी सूत्र के अनुसार खुलासा किया गया है कि इलियाना ने अपनी पेशेवर जिंदगी के बजाय अपने पारिवारिक जीवन को प्राथमिकता देने का फैसला किया है। रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा गया है कि, उन्होंने अपना प्रोफेशनल जीवन छोड़ने का फैसला किया है क्योंकि उन्हें अपने पति और बच्चे के साथ ज्यादा समय बिताने में ज्यादा खुशी मिलती है। फैंस द्वारा स्क्रीन पर इलियाना की वापसी के बारे किए जा रहे सवालों पर बात करते हुए सूत्र ने कहा कि अभिनेत्री इस समय फिल्म ऑफर्स को स्वीकार करने से बच रही हैं। वह इन दिनों अपने परिवार के साथ यूएस में बसने और वहीं अपना जीवन खुशी से बिताने पर जोर दे रही हैं।

ये है दुनिया का सबसे भारी कीड़ा चूहे से तीन गुना होता है वजन

क्या आपको पता है कि दुनिया का सबसे भारी कीड़ा कौन सा है। शायद ही आपको इस सवाल का जवाब पता हो। तो चलिए हम उस कीड़े का नाम और उसके बारे में रोचक जानकारी आपको बताते हैं। उस कीड़े का नाम जायंट वेटा है। वजन के हिसाब से ये कीड़ा दुनिया का सबसे भारी कीट है। अब इसी कीड़े का एक फोटो वायरल हो रहा है, जिसमें वह गाजर खाते हुए दिख रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर जायंट वेटा कीड़े की तस्वीर @gunsnrosesgirl3 नाम के यूजर ने पोस्ट की है, जिसके कैप्शन में लिखा गया है कि, 'जाइंट वेटा दुनिया का सबसे भारी कीड़ा है, जिसका वजन 71 ग्राम है, जो चूहे से तीन गुना ज्यादा वजनी है। यह गाजर खा रहा है। इमेज- मार्क मोफ़ेट'। इस तस्वीर पर नेटिजंस ने ढेरों कमेंट्स भी किए हैं। जायंट वेटा कीड़ा न्यूजीलैंड में पाए जाए हैं। यह प्रजाति विलुप्त होने के खतरे में है। firstlighttravel.com की रिपोर्ट के अनुसार, 71 ग्राम वजन के साथ ये कीड़ा चूहे से तीन गुना और गौरैया से भी भारी है। आकार में ये कीड़ा 17.5 सेंटीमीटर या 7 इंच तक बढ़ सकते हैं। इसका नाम माओरी शब्द वेटा से आया है, जिसका अर्थ– 'बदसूरत चीजों का देवता' होता है। जायंट वेटा कीड़ा इंसानों के लिए हानिरहित होता है। ये मुख्य रूप से शाकाहारी होते हैं और ज्यादातर ताजी पत्तियां खाते हैं, लेकिन इन्हें अन्य छोटे कीड़े खाने के लिए भी जाना जाता है। इस कीड़े की संख्या लगातार कम हो रही है, इसके पीछे का कारण चूहों और बिल्लियों जैसे शिकारियों द्वारा इनका शिकार करना बताया जाता है। इस कारण ये कीड़ा विलुप्ती की कगार पर है। ये कीड़े भागने में अच्छे नहीं होते हैं।

अजब-गजब | इटली पर हमले में हो गया था गायब यह प्लेन

80 साल बाद मिला विश्वयुद्ध का ये फाइटर प्लेन

एक फाइटर प्लेन, जो मित्र राष्ट्रों के आक्रमण के कुछ ही दिन पहले इटली में एक हमले में गायब हो गया था, अब उसका मलबा मिल गया है, जिससे सेकंड वर्ल्ड वॉर से कायम एक रहस्य सुलझ गया है। अमेरिकी वायु सैनिक वॉरेन सिंगर 25 अगस्त 1943 को फोगिया के पास इटैलियन एयरफिल्ड पर हमले के दौरान पी-38 लाइटनिंग फाइटर प्लेन के साथ लापता हो गए थे।

द सन की रिपोर्ट के अनुसार, इसके बाद सेकंड लेफ्टिनेंट वॉरेन सिंगर कभी भी अपनी मंजिल तक नहीं पहुंच पाए। एयरफोर्स के रिकॉर्ड से पता चलता है कि उसे आखिरी बार फोगिया से 22 मील पूर्व में एक शहर मैनफ्रेडोनिया के पास उड़ते हुए देखा गया था। इस घटना के एक साल बाद, 26 अगस्त 1944 को वॉरेन सिंगर को मृत घोषित कर दिया गया। अब 80 साल बाद गोताखोरों को मैनफ्रेडोनिया की खाड़ी के नीचे 40 फीट की गहराई पर वॉरेन सिंगर के पी-38 लाइटनिंग फाइटर विमान का मलबा मिला है, जिससे उनको 50 कैलिबर की गोलियां और एक इंजन क्रैंककेस भी बरामद हुआ है। हादसे के वक्त वॉरेन सिंगर सिर्फ 22 साल के थे। 5 महीने पहले ही उनकी शादी मार्गरेट नाम की युवती से हुई थी। बाद में, जनवरी 1944 में मार्गरेट ने अपनी बेटी पैगी को जन्म दिया। विमान की खोज पर सिंगर के पोते डेव क्लार्क ने कहा, 'वॉरेन हम सभी के लिए हीरो है और हम उनसे प्यार करते हैं।' मलबे की पहचान करने वाले गोताखोर डॉक्टर फैबियो बिस्सिओटी ने कहा, 'विमान काफी अच्छी हालत में है। संभवतः इसमें कोई यांत्रिक खराबी आ गई होगी, जिस वजह से यह पानी में गिर गया होगा।' डॉक्टर बिस्सिओटी इटालियन नेवल लीग में अंडरवॉटर स्टडी ग्रुप का नेतृत्व करते हैं। उन्होंने कहा कि विमान के मलबे में शव का कोई निशान नहीं था। उनका मानना है कि सेकंड लेफ्टिनेंट सिंगर शायद दुर्घटनाग्रस्त विमान से बाहर निकलने में कामयाब रहे, लेकिन बाद में डूब गए। उन्होंने कहा कि खिड़कियां खुली हैं, इसलिए हमें पूरा यकीन है कि सिंगर विमान से निकलने में कामयाब रहे और फिर कौन जानता है कि क्या हुआ। हमें पूरा यकीन है कि वह डूब गया।'

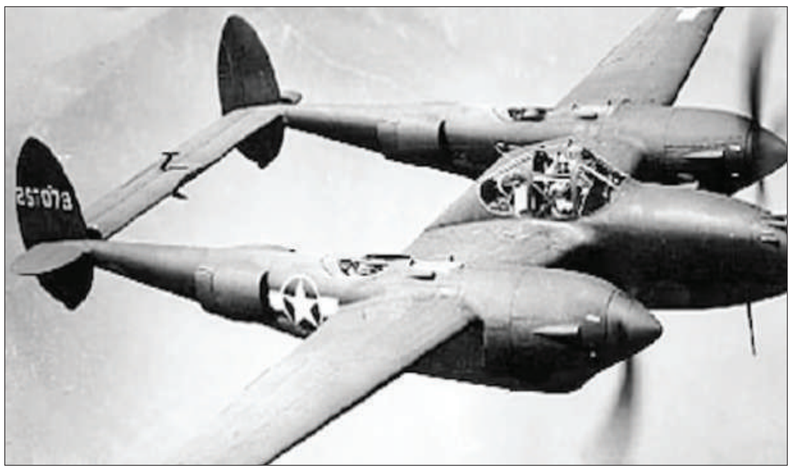

अपनी जिम्मेदारी पर डटे रहेंगे : कमलनाथ

» बोले- जनता का निर्णय स्वीकार, मंथन करेंगे आखिर कहां रह गई कमी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने अपनी हार स्वीकार कर ली है। विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में उन्होंने कहा कि हम जनता का निर्णय स्वीकार करते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और मध्य प्रदेश के चुनाव प्रभारी रणदीप सुरजेवाला भी इस मौके पर उनके साथ मौजूद रहे। कमलनाथ ने आगे कहा कि विरोधी दल के नाते हमारी जो जिम्मेदारी है। उस पर हम डटे रहेंगे। हम भारतीय जनता पार्टी को बधाई देते हैं। हमें उम्मीद है कि भाजपा जनता के विश्वास को जिम्मेदारी से निभाएगी। कोई विश्वासघात नहीं करेगी।

पीसीसी चीफ ने कहा कि हम हमारी हार पर चिंतन करेंगे कि आखिर हमसे कहां चूक हो गई और हम जनता का विश्वास क्यों नहीं जीत पाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए हम हमारे जीते और हारे दोनों प्रत्याशियों के साथ बैठक कर चर्चा करेंगे। इधर कमलनाथ के प्रदेश अध्यक्ष बने रहने पर फिलहाल संशय बना हुआ है। इसका निर्णय आगे होगा कि वे अध्यक्ष पद पर कायम रहेंगे या इस पद से इस्तीफा देंगे। अभी उन्होंने विपक्ष में रहकर जनता की लड़ाई लड़ना तय किया है। प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और रणदीप सुरजेवाला तीनों ही सुबह से कांग्रेस कार्यालय में बने वॉर रूम में मोर्चा संभाले हुए थे। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के इस वॉर रूम से ही 230 विधानसभा सीटों पर चल रही काउंटिंग पर अपनी नजर बनाए हुए थे। राज्यसभा सांसद विवेक तंखा भी अपनी लीगल टीम के साथ यहां मौजूद थे। भाजपा शुरुआत से ही कांग्रेस से आगे चल रही थी। कांग्रेस को एक समय तक वापसी की उम्मीद थी, लेकिन करीब चार बजे कांग्रेस को अपनी हार स्पष्ट नजर आ गई। इसके बाद कमलनाथ ने पांच बजे प्रेसवार्ता कर हार स्वीकार ली।

जारी रहेगी विचारधारा की लड़ाई : राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी विनम्रतापूर्वक मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के जनादेश को स्वीकार करती है और कहा कि विचारधारा की लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने इंटरनेट मीडिया एक्स पर कहा कि तेलंगाना के लोगों को मेरा बहुत धन्यवाद, प्रजालु तेलंगाना बनाने का वादा हम जरूर पूरा करेंगे। सभी कार्यकर्ताओं को उनकी मेहनत और समर्थन के लिए दिल से शुक्रिया।

पार्टी का प्रदर्शन निराशाजनक : खरगे

चार राज्यों के विधानसभा चुनाव पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। कांग्रेस इन अस्थायी झटकों से उबरकर लोकसभा चुनाव के लिए आइएनडीआइए गठबंधन के सहयोगियों के साथ मिलकर पूरी तरह से तैयारी करेगी। उन्होंने तेलंगाना की जनता का आभार जताया, जहां उनकी पार्टी बीआरएस को सत्ता से बाहर करने की दिशा में आगे बढ़ी। उन्होंने कहा कि पार्टी ने इन सभी चार राज्यों में जोरदार प्रचार किया था। उन्होंने लाखों कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इंटरनेट मीडिया एक्स पर कहा कि मैं तेलंगाना के लोगों से मिले जनादेश के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं। मैं उन सभी को भी धन्यवाद देता हूं जिन्होंने छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में हमें वोट दिया।?

भाजपा से हाथ मिलाने का सवाल ही नहीं : पवार

» कहा- जो पार्टी छोड़ गए उनकी चिंता नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुबई। राकांपा प्रमुख शरद पवार ने यह भी कहा कि भाजपा से हाथ नहीं मिलाने के संबंध में हमारा रुख बिल्कुल स्पष्ट है। उन्होंने 2019 में अजित पवार के महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने को याद करते हुए कहा कि यह एक गलत निर्णय था। उन्होंने विस्तार से बताया कि अजित की इच्छा भाजपा के साथ जुड़ने की थी लेकिन यह हमें स्वीकार्य नहीं था। भारत के विश्व कप हारने के बाद कुछ विपक्षी नेताओं के पीएम मोदी पर पनौती तंज पर टिप्पणी करते हुए शरद पवार ने कहा, इसमें गलत क्या है, इसका मतलब परेशानी है।

राकांपा संरक्षक ने आगे कहा कि वह अजित पवार की कड़वी बातों से प्रभावित नहीं होते हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में फूट पर शरद पवार ने कहा कि वह उचित समय पर बताएंगे कि कितने विधायक उनके साथ हैं। जब अजित पवार ने बगावत कर दी और महाराष्ट्र में शिवसेना (एकनाथ शिंदे)-भाजपा सरकार में शामिल हो गए तो पार्टी दो भागों में बंट गई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में फूट पर शरद पवार ने कहा कि वह उचित समय पर बताएंगे कि कितने विधायक उनके साथ हैं। जब अजित पवार ने बगावत कर दी और महाराष्ट्र में शिवसेना (एकनाथ शिंदे)-भाजपा सरकार में शामिल हो गए तो पार्टी दो भागों में बंट गई।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा, कांग्रेस की तरह प्राइवेट लिमिटेड कंपनी नहीं : तोमर

भोपाल (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक समर्थन इस चुनाव में जनता ने दिया है। भारतीय जनता पार्टी की कोशिश रहेगी की आने वाले कल में नई सरकार जनता के अनुरूप कार्य करें और मध्य प्रदेश को स्वर्णिम मध्य प्रदेश तब्दील करने की दिशा में आगे बढ़े। वहीं सीएम बनने के बारे में कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक दल है, प्राइवेट लिमिटेड कंपनी नहीं है। इस दल की अपनी प्रक्रिया है। परिणाम आ चुके हैं, प्रक्रिया अपनाई जाएगी और उसके बाद निर्णय होगा। पूर्व वित्त मंत्री राघव जी भाई ने कहा कि मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ इन तीनों प्रदेशों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार मतदाताओं ने बनाकर यह दर्शा दिया है कि वह केंद्र सरकार की और प्रदेश सरकारों की नीति को पसंद करते हैं। इसलिए जनता ने भारी बहुमत से मोहर लगाई है, यह बड़ी प्रसन्नता का विषय है। इस चुनाव के परिणामों से अगला 2024 का लोकसभा का चुनावी शानदार रहेगा और उसका रास्ता भी खोल दिया गया है। विदिशा की पांचों सीटें जीती हैं, यह और प्रशंसा का विषय है।

पीएजीडी मजबूत, 24 में परिणाम बेहतर आएंगे : महबूबा

श्रीनगर (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्पष्ट जीत के बीच पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने उम्मीद जताई कि 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्षी दलों के लिए परिणाम बेहतर रहेंगे। मुफ्ती ने कुपवाड़ा में पार्टी के एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से कहा कि विपक्षी दलों को जांच एजेंसियों, धन बल और निर्वाचन आयोग सहित सरकार की ताकत का सामना करना पड़ा है। मैं उम्मीद करती हूं कि 2024 (लोकसभा चुनाव) में परिणाम बेहतर रहेंगे (विपक्ष के लिए)। आज जब चुनाव होते हैं तो एक तरफ विपक्ष होता है और दूसरी तरफ सरकार की ताकत, एजेंसियां, पैसा और निर्वाचन आयोग होता है। उन्होंने जम्मू कश्मीर में चुनाव में देरी पर टिप्पणी करने से इनकार किया और कहा कि वह लोगों की समस्याओं का समाधान करने के लिए कुपवाड़ा आई हैं। मैं यहां लोगों की समस्याओं को सुनने आई हूं। हम चुनाव के बारे में कभी और बात करेंगे।'' उन्होंने 'पीपुल्स अलायंस फॉर गुपकार डिक्लेरेशन' (पीएजीडी) में आंतरिक कलह की खबरों का भी खंडन किया और कहा कि गठबंधन मजबूत है। महबूबा मुफ्ती ने कहा, ''छोटे-मोटे झगड़े होते रहते हैं लेकिन पीएजीडी मजबूत है।

बीजेपी को हराने में ममता सक्षम : टीएमसी

कोलकोता (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। बीजेपी की जीत के बाद तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष और देवांशु भट्टाचार्य ने का मानना है कि कांग्रेस अभी बीजेपी को हराने में सक्षम नहीं है। उनका कहना हैं कि देश में बीजेपी को हराने के लिए ममता बनर्जी ही असली प्रतिद्वंद्वी हैं। कुणाल घोष ने जोर देकर कहा कि विधानसभा चुनाव नतीजों का असर अगले लोकसभा चुनाव पर नहीं पड़ेगा। टीएमसी नेता ने कहा कि कांग्रेस को अभी तक मौजूदा बीजेपी को हराने की ताकत हासिल नहीं हुई है। ममता बनर्जी ही हैं जिन्होंने बीजेपी को हराया। तीन राज्यों में बीजेपी की जीत की तस्वीर सामने आने पर ममता ने राज्य में तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ताओं की तारीफ की। कुणाल घोष ने कहा कि अगर बीजेपी को हराना है तो राष्ट्रीय नेता के तौर पर ममता बनर्जी को जगह देनी चाहिए।

इंडिया की नहीं कांग्रेस की हार : त्यागी

» जदयू ने कांग्रेस को घेरा, जनता का फैसला शिरोधार्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। चार राज्यों के चुनाव परिणाम के बाद जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सत्ता से बेदखल होने एवं मध्य प्रदेश में कांग्रेस की करारा हार पर जदयू के राष्ट्रीय मुख्य वक्ता केसी त्यागी ने कहा कि जनता के सभी फैसलों का स्वागत है। उन्होंने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी की जीत है और कांग्रेस पार्टी की हार है।

आइएनडीआइए की हार नहीं है। कांग्रेस पार्टी ने अपने बलबूते भारतीय जनता पार्टी को हराने के लिए चुनाव लड़ा था, उसकी योजना ध्वस्त हो गई। इसका आइएनडीआइए से कोई वास्ता नहीं है। त्यागी ने तीन राज्यों में हार के लिए कांग्रेस नेतृत्व को जिम्मेवार ठहराते हुए कहा कि चार राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी ने आइएनडीआइए के किसी नेता से संपर्क किया, न सहयोग मांगा। उसने अपने बूते चुनाव लड़ने और भारतीय जनता पार्टी को हराने की योजना बनायी, जो फेल हो गई।

वर्चस्व दिखाने में सहयोगियों को किया नजर अंदाज

सीतामढ़ी से जदयू के सांसद सुनील कुमार पिंटू ने विधानसभा चुनावों में हार के लिए कांग्रेस पार्टी के नेताओं के अहंकार को जिम्मेवार ठहराया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने अपने सहयोगियों को भाव नहीं दिया। वर्चस्व दिखाने में सहयोगियों को नजर अंदाज (इग्नोर) किया। उन्होंने कहा कि इसकी वजह से कांग्रेस पार्टी की करारी हार हुई। अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को आइएनडीआइए की बैठक बुलाने की याद आई है। 2024 के लोकसभा में अगर कांग्रेस पार्टी सुप्रीमो बनने का प्रयास करेगी तो उस लोकसभा चुनाव का भी यही परिणाम होगा। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को क्षेत्रीय पार्टियों के पीछे बैकफुट पर आना होगा।

हमारे लिए पार्टी से बड़ा देश : मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तीन राज्यों की जीत के बाद पीएम मोदी ने कहा कि सभी की कोशिशों से हम अपने विजन को पा सकते हैं। मेरा युवा पीढ़ी में पूरा विश्वास है। हमारा एक ही लक्ष्य है, एक ही साधना है और एक ही सपना है। भारत लगातार विकास के पथ पर अग्रसर रहे। हमारे लिए पार्टी से बड़ा देश है। मैं सभी को बधाई देता हूं और सभी मतदाताओं के प्रति अपना आभार जताता हूं, जिन्होंने फिर हम पर अपना विश्वास जताया है।

अश्विनी-तनीषा का सुनहरा सपना टूटा

» सैयद मोदी बैडमिंटन : महिला युगल में जापानी जोड़ी ने जीता फाइनल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। तीसरी वरीय रिन इवांगा व की नाकानिशी की जापानी जोड़ी ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप एचएसबीसी वर्ल्ड टुअर सुपर 300 में भारतीय उम्मीदों को तगड़ा झटका देते हुए महिला डबल्स का खिताब जीत लिया।

इसके अलावा पुरुष सिंगल्स में चीनी ताइपे के ची यू जेन, महिला सिंगल्स में जापान की नोजोमी आकोहुरा, पुरुष डबल्स में मलेशिया के चुंग होन जियान व मोहम्मद हैकल और मिक्स डबल्स में खिताब इंडोनेशिया के दूसरी वरीय डेजन फर्डिनन्स्याह व ग्लोरिया इमानुएल विजाजा चैंपियन बने। बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में खेले गए चैंपियनशिप में महिला डबल्स के फाइनल में रिन इवांगा व की नाकानिशी ने भारत की सातवीं वरीय अश्विनी पोनप्पा व तनीषा क्रेस्टो को 21-14, 17-21, 21-15 से हराया। महिला डबल्स का मैच एक घंटा 17 मिनट चला।

जेन व आकोहुरा एकल चैंपियन

दूसरी ओर पुरुष सिंगल्स के फाइनल में चीनी ताइपे के ची यू जेन ने दूसरी वरीय जापान के केंटा निशिमोटो को रोमांचक मुकाबले में 20-22, 21-12, 21-17 से हराया। विश्व रैंकिंग में 12वीं वरीयता जापानी खिलाड़ी केंटा ने कड़े मुकाबले के बाद पहला गेम 22-20 से जीता। महिला सिंगल्स फाइनल में जापान की नोजोमी आकोहुरा ने पांचवीं वरीय डेनमार्क की लेन हाजमार्क केजरफेल्ड (डेनमार्क) को 21-19, 21-16 से हराया।

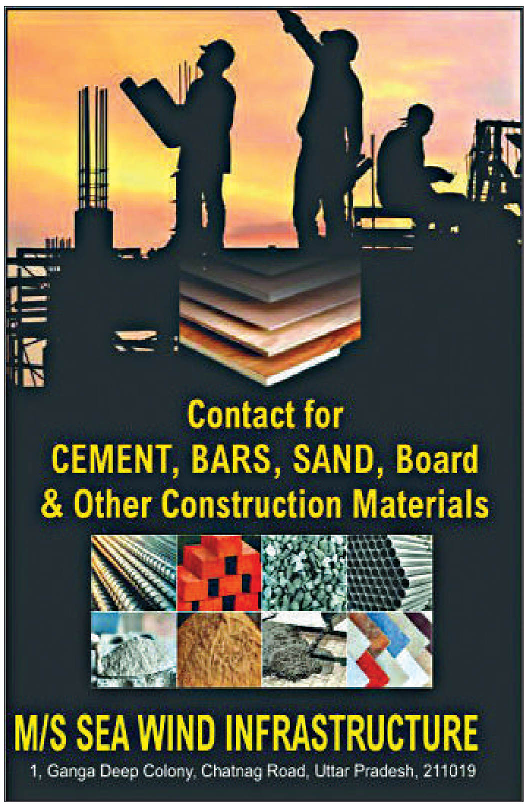

चार राज्यों में अब सीएम को लेकर सिर फुटौव्वल

राजे, शिवराज, रमन, रेवंत रेस में, राजस्थान व मप्र में बीजेपी फंसी

» भाजपा और कांग्रेस में बैठकों का दौर जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चार राज्यों के चुनाव परिणाम आ चुके है। जहां राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में भाजपा पूर्ण बहुमत प्राप्त कर चुकी है जबकि तेलंगाना में कांग्रेस को प्रचंड बहुमत मिला। परिणाम वाले राज्यों में अब सीएम के नाम पर चर्चा शुरू हो गई है। सबसे ज्यादा सिर फुटौव्वल भारतीय जनता पार्टी में है। चूकि पार्टी ने इन राज्यों में सीएम के रूप में किसी को प्रोजेक्ट नहीं किया था। मध्य प्रदेश में शिवराज तो दौड़ में हैं ही कई और भी दावेदारी में आ सकते है राजस्थान में भी कमोवेश यही हाल है वहां वसुंधरा राजे का पलड़ा भारी है पर अन्य लोग भी आस में बैठे हुए है।

जबकि छत्तीसगढ़ में रमन सिह पर सहमति बने सक सकती है। उधर छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की हार पर डिप्टी सीएम टीएस सिंह देव का कहना है कि, हमें इसकी उम्मीद नहीं थी। मैंने सोचा भी नहीं था कि मैं हार जाऊंगा या कांग्रेस पार्टी राज्य में सत्ता में नहीं आएगी। कोई भी इसका अंदाजा नहीं लगा सका कि कांग्रेस छत्तीसगढ़ में सरकार नहीं बना पाएगी। छत्तीसगढ़ में बीजेपी की जीत पर पार्टी नेता और पूर्व सीएम रमन सिंह का कहना है कि, बीजेपी 15 साल तक छत्तीसगढ़ में सत्ता में रही लेकिन कोई हम पर उंगली नहीं उठा सका। बीजेपी जहां भी अपनी सरकार बनाती है, वहां लोगों को एकजुट करती है और मिलकर काम करती है। कांग्रेस तुष्टीकरण की राजनीति करती है, भाजपा हमेशा लोगों को न्याय सुनिश्चित करने का रास्ता ढूंढती है। बीजेपी नेता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ का कहना है कि, पीएम मोदी को जनता का आशीर्वाद मिला है, ये जीत लोगों का पीएम मोदी और उनकी गारंटी पर भरोसा है। वहीं तेलंगाना में कांग्रेस के सीएम की रेस में तीन नान सियासी गलियों में तारीं है। पर कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि आलाकमान ही अंतिम फैसला करेगा। तेलंगाना में सीएम की रेस में तीन नाम शामिल हैं। इनमें सबसे बड़ा नाम रेवंत रेड्डी का है। रेवंत कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हैं, साथ ही इन्होंने संगठन को यहां मजबूत करने में काफी काम किया है, इसलिए इनका पलड़ा ज्यादा भारी है। इनके अलावा भट्टि विक्रमार्क मल्लू भी रेस में हैं। मल्लू 1400 किलोमीटर की पदयात्रा करके सुर्खियों में रह चुके हैं। तीसरे दावेदार उत्तम कुमार रेड्डी हैं। उत्तम पूर्व में कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं।

कांग्रेस आलाकमान करेगा तेलंगाना के सीएम का फैसला

हैदराबाद में कांग्रेस नेताओं, पर्यवेक्षकों, नवनिर्वाचित विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों की बैठक जारी है। तेलंगाना में मुख्यमंत्री की रेस में नाम शामिल हैं। इस बैठक में तीनों नाम पर चर्चा के बाद पार्टी हाईकमान को ये नाम भेजे जाएंगे। प्रदेश का सीएम कौन होगा इसका फैसला आलाकमान करेगा।

टी. राजा सिंह को बीजेपी में मिल सकती है अहम जिम्मेदारी

तेलंगाना में लगातार तीसरी बार विधायक बनने वाले बीजेपी के टी. राजा सिंह से बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष किशन रेड्डी आज (4 दिसंबर) उनके घर पर दोपहर 2 बजे जाकर मिलेंगे। सूत्रों की मानें तो राजा सिंह को पार्टी में अहम जिम्मेदारी मिल सकती है।

संक्षिप्त खबरें

जनता ही सर्वेसर्वा, कांग्रेस की नहीं, गहलोत की शिकस्त : लोकेश शर्मा

जयपुर । राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के परिणामों में कांग्रेस चारों खाने चित्त हो गई। प्रदेश की जनता ने राज बदल दिया, लेकिन रिवाज नहीं बदला। कांग्रेस की हार को लेकर सीएम अशोक गहलोत के ओएसडी लोकश शर्मा का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने हार का जिम्मेदार गहलोत को ही बता दिया। उन्होंने गहलोत पर फरेबी बताते हुए 25 सितंबर 2022 की घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा पूरी घटना प्रायोजित थी। आलाकमान के खिलाफ विद्रोह कर अवमानना की गई। उसी दिन से ये खेल शुरू हो गया था। लोकेश शर्मा ने एक्स कर लिखा- लोकतंत्र में जनता ही माई-बाप है और जनादेश शिरोधार्य है, विनम्रता से स्वीकार है। मैं नतीजों से आहत जरूर हूं, लेकिन अचंभित नहीं। कांग्रेस राजस्थान में निःसंदेह रिवाज बदल सकती थी। लेकिन, अशोक गहलोत कभी कोई बदलाव नहीं चाहते थे। यह कांग्रेस की नहीं बल्कि अशोक गहलोत की शिकस्त है। गहलोत के चेहरे पर उनको फ्री हैंड देकर उनके नेतृत्व में पार्टी ने चुनाव लड़ा और उनके मुताबिक प्रत्येक सीट पर वे स्वयं चुनाव लड़ रहे थे। न उनका अनुभव चला, न जादू। हर बार की तरह कांग्रेस को उनकी योजनाओं के सहारे जीत नहीं मिली और न ही अथाह पिंक प्रचार काम आया। तीसरी बार लगातार सीएम रहते हुए गहलोत ने पार्टी को फिर हाशिये पर लाकर खड़ा कर दिया। आज तक पार्टी से सिर्फ लिया ही लिया है, लेकिन कभी अपने (गहलोत के) रहते पार्टी की सत्ता में वापसी नहीं करवा पाए गहलोत।

दो साल के बेटे के साथ फंदे पर लटककर महिला ने दी जान

संतकबीर नगर। जिले के मेंहदावल थाना क्षेत्र के गगनई राव मोहल्ले में एक हृदय विदारक घटना सामने आई है। एक महिला ने पति के फटकार से नाराज होकर अपने दो वर्षीय मासूम बेटे को साथ लेकर फंदे में लटक गई। मौके पर ही दोनों की मृत्यु हो गई। इस दर्दनाक घटना ने मोहल्ले को हिलाकर रख दिया है। मौके पर पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता सहित अन्य पुलिसकर्मी पहुंचे हुए हैं। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लिया है। जामवंत निषाद निवासी गगनई राव का दो वर्षीय पुत्र दिव्यांशु घर के पास ही रविवार को मोटरसाइकिल की चपेट में आ गया था। जिससे उसको हल्की चोट लगी थी। जामवंत घर पर आया तो उसकी पत्नी घर पर मौजूद नहीं थी। उसने नाराजगी जताते हुए बेटे की देखभाल के लिए पत्नी को फटकार लगाई। इसी बात से नाराज होकर सोमवार की सुबह करीब पांच बजे किरण (25) पत्नी जामवंत ने अपने पुत्र दिव्यांशु (2) को घर के अंदर कमरे में फंदे से लटक गई।

राघव चड्ढा का रास से रद्द हुआ निलंबन

» सभापति जगदीप धनखड़ ने दी बड़ी राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राघव चड्ढा ने कहा कि 11 अगस्त को मुझे राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया। मैं अपने निलंबन को रद्द करने के लिए सुप्रीम कोर्ट गया। सुप्रीम कोर्ट ने इसका संज्ञान लिया और अब 115 दिनों के बाद मेरा निलंबन रद्द कर दिया गया है। मुझे खुशी है कि मेरा निलंबन वापस ले लिया गया है और मैं सुप्रीम कोर्ट और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को धन्यवाद देना चाहता हूं।

आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा का निलंबन सोमवार को राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने भाजपा सांसद जीवीएल नरसिम्हा राव के प्रस्ताव पर रद्द कर दिया। इसके बाद राघव चड्ढा ने कहा कि 11 अगस्त को मुझे राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया। मैं अपने निलंबन को रद्द करने के लिए सुप्रीम कोर्ट गया। सुप्रीम कोर्ट ने इसका संज्ञान लिया और अब 115 दिनों के बाद मेरा निलंबन रद्द कर दिया गया है। मानसून सत्र के अंतिम दिन, शुक्रवार को सदन के नेता सदन पीयूष गोयल ने राघव चड्ढा द्वारा नियमों का उल्लंघन करने तथा सदन की एक समिति के लिए चार सदस्यों का नाम उनकी सहमति लिए बिना प्रस्तावित करने का मुद्दा उठाया था। चड्ढा पर आरोप है कि उन्होंने राज्यसभा में 'राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2020' को पारित कराने की प्रक्रिया के दौरान प्रवर समिति के गठन का प्रस्ताव दिया था।

आप सांसद ने दिया धन्यवाद

मुझे खुशी है कि मेरा निलंबन वापस ले लिया गया है और मैं सुप्रीम कोर्ट और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को धन्यवाद देना चाहता हूं। मानसून सत्र के आखिरी दिन राज्यसभा में आम आदमी पार्टी (आप) के सदस्य राघव चड्ढा को नियमों के घोर उल्लंघन और अवमाननापूर्ण आचरण के चलते विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक निलंबित कर दिया गया था।

एयरक्राफ्ट दुर्घटनाग्रस्त, दो वायु सेना के पायलट शहीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना में भारतीय वायुसेना के एक ट्रेनर एयरक्राफ्ट के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर है। घटना तेलंगाना के मेदक जिले की है। हादसे के वक्त विमान में एक ट्रेनर पायलट और एक ट्रेनी पायलट मौजूद थे। हादसे में दोनों पायलटों की मौत हो गई है। वायुसेना के अधिकारियों ने बताया कि तेलंगाना के डिंडीगुल स्थित एयर फोर्स एकेडमी से सुबह के समय ट्रेनर विमान ने उड़ान भरी थी।

जिसके बाद सुबह 8.55 बजे यह विमान हादसे का शिकार हो गया। हादसे का शिकार हुआ विमान एयरक्राफ्ट था। वायुसेना ने बताया कि ट्रेनर विमान रुटीन उड़ान पर था।

हादसे में दोनों पायलट गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिसके चलते उनकी मौत हो गई। हादसे में किसी आम नागरिक या संपत्ति को नुकसान नहीं हुआ है। वायुसेना ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। इससे पहले जनवरी में भी भारतीय वायुसेना के दो विमान दुर्घटना का शिकार हुए थे।

मिचांग का प्रभाव : यूपी में वर्षा से घटा पारा

» तमिलनाडु में भारी बारिश की चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पश्चिमी विक्षोभ के कारण चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र मध्य पाकिस्तान और आसपास बना हुआ है। इन हवाओं का क्षेत्र पश्चिमी उत्तर प्रदेश और आसपास है। इस कारण मौसम में बदलाव शुरू हो गए हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बाद अब लखनऊ समेत मध्य यूपी में भी मौसम का असर नजर आ रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, मिचांग तूफान लौटते वक्त यूपी पर असर डालेगा।

आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के मुताबिक, लखनऊ, बाराबंकी, हरदोई, कन्नौज, कानपुर, कानपुर देहात, खीरी, सीतापुर, अलीगढ़, आगरा, औरैया, बदायूं, बरेली, बुलंदशहर, गौतमबुद्धनगर, कासगंज, जालौन, झांसी, रामपुर, संभल, शाहजहांपुर समेत आसपास बरसात रिकार्ड हुई है। बादल छाए हुए हैं और अभी ये दौर जारी रहेगा। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक, छह और सात दिसंबर के करीब मिचांग की वापसी होगी, इसके कारण दक्षिण पूर्वी यूपी, खासकर छत्तीसगढ़ व झारखंड से लगे इलाके में इसका असर देखने को मिलेगा। उधर आईएमडी ने चक्रवात मिचौंग के मद्देनजर तमिलनाडु और पुडुचेरी के कई स्थानों पर सोमवार को भारी बारिश और तूफान की चेतावनी जारी की है। प्रशासन भी मुस्तैद हो गया है।

लखनऊ में सुबह से बारिश, ठंड बढ़ी

पीएम ने तूफान से सतर्क रहने को कहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद अपने संबोधन में देशवासियों को चक्रवाती तूफान मिचौंग को लेकर देशवासियों को आगाह किया। उन्होंने कहा कि वह लगातार राज्य सरकारों के संपर्क में हैं और पूर्वी तट पर राहत और बचाव कार्यों के बारे में अपडेट ले रहे हैं। पीएम मोदी ने साथ ही तमिलनाडु, पुडुचेरी और ओडिशा के साथ ही आंध्र प्रदेश के भाजपा कार्यकर्ताओं से अपील की कि वह राहत और बचाव कार्यों में स्थानीय प्रशासन की मदद करें।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।